संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 235
पृष्ठ 8
शुक्रवार
16 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी में शरीर को हेल्दी और हाइड्रेटेड...

विचार- क्रिकेट, कोहली और बाजार

खेल- विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के...

नागरिक उड्डयन के संविदा कर्मियों को मिला सातवां वेतनमान

कैबिनेट मीटिंग: दस प्रस्तावों पर लगी मुहर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक में 10 अहम प्रस्तावों को मंजूरी मिली। इनमें लखनऊ में चौधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना, अमृत योजना में राहत, दुग्ध नीति में संशोधन और औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन जैसे फैसले शामिल हैं। लखनऊ में आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की अहम बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में कृषि, उद्योग, दुग्ध विकास, नगर विकास, पंचायती राज, और नागरिक उड्डयन विभाग से जुड़े कुल 10 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों का उद्देश्य प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास को नई दिशा देना है।प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लखनऊ में बनेगा चौधरी चरण सिंह सीड पार्क 251.70 करोड़ की लागत सेकृषि विभाग के प्रस्ताव के तहत लखनऊ में 130.63 एकड़ भूमि पर आधुनिक बीज अनुसंधान और उत्पादन केंद्र, सीड पार्क की स्थापना की जाएगी। इस परियोजना पर 251. 70 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पार्क का नाम भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर रखा जाएगा, जिनका कृषि सुधारों में अमूल्य योगदान रहा है। यह परियोजना किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादन में वृद्धि और कृषि निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है।प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खना ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर कैबिनेट का अभिनंदन प्रस्ताव पास हुआ।कैबिनेट ने हाल ही में सफल रहे ऑपरेशन सिंदूर के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया। यह प्रस्ताव उस अभियान की सफलता और सुरक्षा बलों की वीरता को सम्मान देने के उद्देश्य से लाया गया, जिसमें भारतीय जवानों ने सीमा पार आतंकी मंसूबों को विफल किया। नगर विकास विभाग के तहत अमृत योजना के पहले चरण में शामिल 7 नगरीय निकायों को राहत दी गई है। उनके 90 करोड़ रुपये के अंश को माफ करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, निकाय अंश की वर्तमान अनिवार्यता को घटाने का भी प्रस्ताव पारित हुआ है, जिससे नगरीय परियोजनाओं में तेजी आएगी। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया किपशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग द्वारा दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति–2022 में संशोधन किया गया है। नई नीति के अनुसार नई दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों को 35 प्रतिशत पूंजीगत अनुदान मिलेगा। इससे दुग्ध क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।किसानों और डेयरी उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल नन्दी ने कहा ,औद्योगिक निवेश को मिला बढ़ावा, 5 कंपनियों को एलओसी की स्वीकृति मिली। उद्योग विभाग ने राज्य में हजारों करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5 कंपनियों को एलओसी यानि लेटर ऑफ कम्फोर्ट जारी करने की मंजूरी दी। ये कंपनियां हैं,जे के सीमेंट प्रयागराज 450.92 करोड़ रूपये, मून बेवरेज लिमिटेड हापुड़ 469.61 करोड़,सिल्वर पल्प एंड पेपर मिल मुजफ्फरनगर 403. 88 करोड़,ग्लोबल स्पीड लखीमपुर 399.74 करोड़ ,चांदपुर इंट्रपराइजेज 273.9 करोड़ है। मेसर्स आरसीसीपीएल रायबरेली को सब्सिडी नीति में संशोधन की भी स्वीकृति दी गई। प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पंचायत भवनों के नामकरण को मंजूरी मिल गई है। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत राज्य में विभिन्न पंचायत उत्सव भवनों को नाम देने की प्रक्रिया को कैबिनेट की मंजूरी मिली। इससे ग्राम पंचायत स्तर पर सांस्कृतिक और प्रशासनिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।उन्होंने कहा,ग्राम सभा की बैठकों और अन्य आयोजनों में होने वाले व्ययों के लिए नई प्रोत्साहन नीति को स्वीकृति दी गई है। यह नीति पारदर्शिता, भागीदारी और गांव स्तर पर सक्रिय प्रशासन को सशक्त बनाएगी। नागरिक उड्डयन विभाग के संविदा कर्मियों को सातवां वेतनमान मिल गया है।नागरिक उड्डयन निदेशालय में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार पारिश्रमिक देने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसमें पायलट को–पायलट इंजीनियरएयरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के तकनीकी व गैर–तकनीकी कर्मचारी लाभ पायेंगे।यह निर्णय भ्नउसवह प्रतिभाओं को बनाए रखने और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने का काम करेगा। उद्योगों को आकर्षित करने के लिए इन्वेस्टमेंट प्रमोशन सब्सिडी को और पारदर्शी व व्यवहारिक बनाने के लिए नीति में संशोधन किया गया है। इससे राज्य में मध्यम व बड़े निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। तकनीकी संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के लिए रोडमैप तैयार है।

पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को आईएईए की निगरानी में रखना चाहिए : राजनाथ सिंह

श्रीनगर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की निगरानी में रखा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री श्रीनगर में सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा "पाकिस्तान ने कई बार भारत को परमाणु हमले की धमकी दी है। आज श्रीनगर की धरती से मैं पूरी दुनिया के सामने यह सवाल उठाना चाहता हूं कि क्या ऐसे गैरजिम्मेदार और दुष्ट देश के हाथों में परमाणु हथियार सुरक्षित हैं? मेरा मानना है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को आईएईए (अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) की निगरानी में रखा जाना चाहिए।" श्री सिंह ने कहा कि "भारत के बारे में पूरी दुनिया जानती है कि हमने हमेशा शांति को प्राथमिकता दी है। हम कभी भी युद्ध का समर्थन नहीं करते हैं। लेकिन जब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो हमारे बलों को पूरे देश में सम्मान के साथ देखा जाता है।" उन्होंने कहा कि "एक मजबूत राष्ट्र वह होता है जो अपनी सेनाओं का सम्मान करता है और साथ ही उन्हें आधुनिक हथियारों और उपकरण से सुसज्जित करता है जिनकी उन्हें ज़रूरत होती है। मुझे गर्व है कि आज सरकार हमारी सेनाओं के लिए सब कुछ कर रही है।" उन्होंने कहा कि जब देश की संप्रभुता पर हमला होता है तो जवाब देना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दशकों से भारत पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर इतिहास में आतंकवाद के खिलाफ भारत द्वारा की गई सबसे बड़ी कार्रवाई थी।" रक्षा मंत्री ने कहा कि "पहलगाम हमले को अंजाम देकर भारत को चोट पहुंचाने की कोशिश की गई और भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया गया।" रक्षा मंत्री गुरुवार को श्रीनगर पहुंचे, जो ऑपरेशन सिंदूर होने के बाद से उनकी जम्मू–कश्मीर की पहली यात्रा थी। यह यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हाल ही में घोषित युद्ध विराम के मद्देनजर हो रही है, जिसके बाद कई दिनों तक सीमा पार से भीषण झड़पें और गोलाबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर कई लोग हताहत हुए और अवसंरचना को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि आगमन के तुरंत बाद रक्षा मंत्री श्रीनगर स्थित सेना की 15वीं कोर के मुख्यालय गये, जहां उन्होंने सैन्यकर्मियों से बातचीत की और उन्हें मौजूदा सुरक्षा स्थिति से अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्री युद्ध की तैयारियों और सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर हाल में सीमा पार से हुई गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों सहित समग्र सुरक्षा परिदृश्य का आकलन कर सकते है।

राहुल गांधी के काफिला को रोकने पर भड़की कांग्रेस, खड़गे बोले- क्या छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है?

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास में राहुल गांधी के दौरे में कथित तौर पर बाधा डालने के लिए बिहार की एनडीए सरकार की आलोचना की। खड़गे ने सवाल किया कि क्या दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों की शिक्षा और रोजगार पर चर्चा करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने जेडीयू–भाजपा बिहार सरकार पर संवाद को रोकने का आरोप लगाया। राहुल गांधी को अंबेडकर छात्रावास जाते समय बिहार पुलिस ने रोक लिया, फिर भी वे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पैदल ही चले गए। खड़गे ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि अब क्या

दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग के छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है? क्या उनकी शिक्षा, उनकी भर्ती परीक्षा और नौकरियों के बारे में उनसे बातचीत करना कोई पाप है? उन्होंने कहा कि जदयू–भाजपा सरकार ने बिहार में दरभंगा के आंबेडकर हॉस्टल में 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम में राहुल गांधी को शामिल होने से रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। लोकतंत्र की जन्मस्थली, बिहार इस अन्याय को याद रखेगी और समय आने पर जदयू–भाजपा को इसका उचित जवाब भी देगी। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू होने तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने बिहार के दरभंगा में आंबेडकर छात्रावास में कांग्रेस के 'शिक्षा न्याय संवाद' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस देश के निजी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण लागू करने की मांग करती है। हम इस संबंध में सरकार पर दबाव बनाएंगे... हमारी लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक यह हासिल नहीं हो जाता।'' गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''यह सरकार दलितों, अति पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के खिलाफ है।'' उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्र राष्ट्रव्यापी जातिगत गणना के लिए तेलंगाना मॉडल का पालन करे। कांग्रेस नेता ने कहा, ''केंद्र को यह काम उसी तरह करना चाहिए जिस तरह तेलंगाना सरकार ने किया है।''

कर्नल सोफिया मामले में विजय शाह को अंतरिम राहत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, आज करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की ओर से की गई 'अपमानजनक' टिप्पणियों के मामले में प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर अंतरिम राहत देने से गुरुवार को इनकार कर दिया और कहा कि इस मामले पर शक्रवार को सुनवाई की जायेगी। उच्च न्यायालय ने मंत्री की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी पर स्वतः संज्ञान लेकर राज्य सरकार को उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिया था। श्री शाह की ओर से उसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गयी है। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने आज इस याचिका का उल्लेख किए जाने पर कहा कि मंत्री शाह ने ऐसी टिप्पणी की है जो गैर–जिम्मेदाराना है।

राहुल लड़ रहे हैं दलित, पिछड़े, आदिवासियों के न्याय की लड़ाई : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सामाजिक न्याय का योद्धा बताते हुए कहा है कि वह एक मात्र नेता हैं जो मजबूती से दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को न्याय देने की लड़ाई लड़ रहे हैं और इसी का परिणाम है कि बिहार में उन्हें इन वर्गों के छात्रों से संवाद करने से रोकने का प्रयास किया गया लेकिन वह नहीं माने और उन्होंने अम्बेडकर हास्टल जाकर जबरन छात्रों से संवाद किया। कांग्रेस अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिल जयहिंद तथा सुश्री ऋतु चौधरी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी बिहार के दरभंगा में दलित और पिछड़ा वर्ग के छात्रों से मिलने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें रोकने की कोशिश कर तानाशाही की। श्री गांधी दलितों और पिछड़ों के हितों और उन्हें अधिकार देने की बात करने के लिए दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों से मिलने जा रहे थे लेकिन नीतीश सरकार ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेटर लगावा दिए, लेकिन श्री गांधी नहीं माने और वह छात्रों में मिलने पहुंच गये। उन्होंने श्री गांधी को सामाजिक न्याय का योद्धा बताया और कहा कि वह जिस मुद्दे को हाथ में लेते हैं उसे अंजाम तक पहुंचाते हैं इसलिए कह सकते हैं कि देश में सामाजिक न्याय का समय आ चुका है और राहुल गांधी इस आंदोलन के श्न्याय योद्धाश हैं। उनका कहना था कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोचते हैं कि वे राहुल गांधी को रोक लेंगे, तो उनकी गलतफहमी है और आज यह साबित भी हो गया है। डॉ जयहिंद ने कहा "दलित, पिछड़े और आदिवासियों को राहुल गांधी के रूप में ऐसा नेता मिला है, जो उनकी लड़ाई लड़ रहा है क्योंकि यह सरकार जब से आई है, तब से देश में दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों, आदिवासियों की शिक्षा को रोकने का प्रयास कर रही है। छात्रों की छात्रवृत्ति बंद की जा रही है, सरकारी स्कूल और कॉलेजों की हालत ख़राब कर दी है, उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 15 (5) पास कर दिया– जिसमें निजी शिक्षण संस्थानों में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को आरक्षण दिया जाएगा–लेकिन इस सरकार ने 11 वर्षों से उसे रोक कर रखा है।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढ़ेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के दक्षिणी हिस्से में अवंतीपोरा में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गये हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद नादेर, त्राल इलाके में घेराबंदी की गयी और तलाशी अभियान शुरू किया गया जिसके बीच तड़के मुठभेड़ शुरू हुई । मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। हालांकि तीनों की पहचान अभी तक नहीं हो पायी है और न ही यह जानकारी मिल पायी है कि वे किस आतंकवादी संगठन से जुड़े है। तलाशी अभियान अभी जारी है। मंगलवार के बाद से दक्षिण कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकवादियो के बीच हुई यह दूसरी मुठभेड़ है। गौरतलब है कि 13 मई को शोपियां जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा के तीन स्थानीय आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में लश्कर का स्थानीय कमांडर शाहिद कुट्टे भी शामिल था।

डॉ. अजय कुमार ने यूपीएससी अध्यक्ष का पद संभाला

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. अजय कुमार ने आज संघ लोक सेवा आयोग–यूपीएससी के अध्यक्ष पद के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला ने उन्हें शपथ दिलाई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक करने के बाद डॉ. अजय कुमार ने अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय से एप्लाइड इकोनॉमिक्स में एमएस और मिनेसोटा विश्वविद्यालय के कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में पीएचडी की है। उन्हें 2019 में एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टर

ऑफ फिलॉसफी की मानद उपाधि भी प्रदान की गई थी। डॉ. कुमार भारतीय प्रशासनिक सेवा–आईएएस के 1985 बैच के केरल कैडर के अधिकारी हैं। तीन दशक से अधिक के अपने करियर के दौरान उन्होंने केरल सरकार के साथ–साथ केंद्र में भी महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। केरल में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रबंध निदेशक तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव पद पर काम किया जबकि केंद्र सरकार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी निदेशक, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के महानिदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अपर सचिव, रक्षा उत्पादन सचिव जैसे महत्वपूर्ण विभागों को संभाला। डॉ. कुमार ने अंतिम कार्यकाल के रूप में रक्षा मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया।

कश्मीर भारत का हिस्सा... पहलगाम में पोनीवाला एसोसिएशन ने निकाली तिरंगा यात्रा, पर्यटकों को किया आमंत्रित

श्रीनगर, एजेंसी। पहलगाम के भाजपा नेताओं और स्थानीय लोगों ने भारतीय सशस्त्र बलों और ऑपरेशन सिंदूर के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा के दौरान पहलगाम लोकल पोनीवाला एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद वानी ने कहा कि यह रैली उन राक्षसों को जवाब है जिन्होंने यहां कायरतापूर्ण हमला किया। कश्मीर भारत का हिस्सा है। हम इस रैली के माध्यम से पर्यटकों को आमंत्रित करना चाहते हैं और उन्हें बताना चाहते हैं कि वे यहां आएं, कश्मीर आपका है। हम आपको कभी कुछ नहीं होने देंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को श्रीनगर में शतिरंगा यात्राश का आयोजन किया। शेरी कश्मीर पार्क से लाल चौक तक निकली शतिरंगा रैलीश का नेतृत्व भाजपा नेता और जम्मू–कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरखशां अंद्राबी ने किया। दरखशां अंद्राबी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि हर भारतीय नागरिक को भारतीय सैनिकों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गर्व है।

दुनिया की कोई ताकत मुझे रोक नहीं सकती : राहुल गांधी

दरभंगा, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अंबेडकर छात्रावास में छात्रों को संबोधित करने के लिए मंच पर पहुंचे, बावजूद इसके कि पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। बिहार कांग्रेस के दावों के अनुसार, दरभंगा जिला प्रशासन ने उन्हें यह कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार पुलिस ने मुझे रोकने की कोशिश की। लेकिन वे मुझे रोक नहीं पाए क्योंकि आपकी सत्ता मुझ पर नज़र रख रही है। हमने पीएम नरेंद्र मोदी से कहा कि आपको जनगणना करानी होगी। राहुल ने कहा कि आपके दबाव में पीएम नरेंद्र मोदी ने देश में जाति जनगणना की घोषणा की। आपके दबाव से डरकर उन्होंने संविधान को अपने माथे पर रख लिया। लेकिन उनकी सरकार लोकतंत्र, संविधान और अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। यह अडानी–अंबानी की सरकार है, आपकी नहीं। मैं गारंटी देता हूं कि जैसे ही देश और बिहार में हमारी सरकार बनेगी, और जो आप चाहते हैं वो सब लागू करेंगे। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि बिहार की पुलिस ने मुझे रोकने को कोशिश की, लेकिन रोक नहीं पाई। वो हमें इसलिए नहीं रोक पाई, क्योंकि मेरे पीछे युवाओं की शक्ति है। दुनिया की कोई ताकत मुझे रोक नहीं सकती। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश की 90: आबादी को अपनी ताकत समझनी होगी। आपका ध्यान भटकाकर आपको रोका जा रहा है।

ब्यूरोक्रेसी, कॉर्पोरेट इंडिया, एजुकेशन सिस्टम, मेडिकल सिस्टम में इस 90: आबादी का कोई नहीं मिलेगा। लेकिन...अगर मनरेगा की लिस्ट निकालेंगे तो उसमें सिर्फ दलित, पिछड़ा और आदिवासी वर्ग के लोग मिलेंगे। सारे के सारे कांट्रैक्ट, सारा धन चंद लोगों के हाथ में जाता है और आपको उल्टी–सीधी बातें बताकर आपका ध्यान भटकाया जाता है, इसलिए आपको एक साथ खड़े होना है।

उन्होंने कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों और आदिवासियों के साथ 24 घंटे अन्याय होता है।

एकतरफा प्यार में हुआ पागल, बात करने से मना करने पर भाई की साली को मारा चाकू

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में एक युवक ने एक तरफा प्यार में एक लड़की पर हमला कर दिया। लड़की ने उससे बात करने से मना कर दिया था। मोबाइल पर बात न करने से एकतरफा प्यार में नाराज युवक ने बड़े भाई की साली को चाकू मारकर घायल कर दिया। घटना से क्षुब्ध परिजनों व पड़ोसियों ने युवक की जमकर धुनाई की। दोनों घायलों को इलाज के लिए सीएचसी मांडा से एसआरएन अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 24 वर्षीय युवक मंगलवार रात अपने बड़े भाई की ससुराल मांडा थाना क्षेत्र के ही गांव में बारात में आया था। देर रात भाई के ससुराल पहुंचा। अपने बड़े भाई की 23 वर्षीय साली को घर के बाहर बुलाकर फोन पर बात न करने का कारण पूछा। साली ने जब कहा कि वह उससे बात नहीं करना चाहती, तो इसी बात से नाराज होकर युवक ने उसे चाकू मारकर घायल कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर चिल्लाने लगी। शोर सुनकर परिवार के लोग पहुंचे और युवक की भी जमकर पिटाई कर दी। दोनों को पुलिस मांडा सीएचसी ले गई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के कारण दोनों को इलाज के लिए एसआरएन प्रयागराज भेजा गया। दोनों पक्षों ने मामले में समाचार लिखे जाने तक थाने में कोई तहरीर नहीं दी है। मामले में तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जांच की जा रही है और घायलों का इलाज होने के बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

सदन में रखा जाएगा दो साल का विकास

प्रयागराज। 16 मई को मिनी सदन की बैठक में शहर के विकास का ब्योरा रखा जाएगा। पार्षदों को बताया जाएगा कि दो साल में शहर में कितने काम कराए गए। दो साल में कराए गए विकास कार्यों पर महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद महापौर ने बताया कि 26 मई को मिनी सदन के वर्तमान कार्यकाल पूरा हो रहा है। बैठक के बाद एक अधिकारी ने बताया कि दो साल में 300 करोड़ से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं। सभी कामों की सूची तैयार हो रही है। इनके अलावा शहर के तीन वार्डों को हेरिटेज वार्ड बनाने, भारती भवन लाइब्रेरी के जीर्णोद्धार, कनिहार में हरित क्षेत्र विकसित करने की योजना भी मिनी सदन में पेश की जाएगी।

परिवारों के बिखराव से वृद्धाश्रमों में बढ़ रहे बुजुर्ग

प्रयागराज। कुछ रिश्तों का कोई मोल नहीं होता। यूं तो जीवन में कई लोग मिलते हैं। पर परिवार की तरह कोई अनमोल नहीं होता..। सच है कि जीवन में परिवार सबसे अनमोल निधि है। लेकिन परिवार की जो सबसे अहम कड़ी है वह है संयुक्त

परिवार। बढ़ते शहरीकरण, आधुनिक जीवन शैली, आर्थिक स्वतंत्रता, महिलाओं की स्थिति में बदलाव व पीढ़ियों के बीच विचारों के टकराव से संयुक्त परिवार टूटते जा रहे हैं। संयुक्त परिवार के टूटने से वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों की संख्या भी बढ़ रही है। शहर के दो वृद्धाश्रम में इस समय 137 बुजुर्ग रहते हैं। इसमें 65 ऐसे बुजुर्ग हैं, जो एकल परिवार से हैं। इन बुजुर्गों के बेटा–बहू व बेटी–दामाद ने किसी न किसी कारण से साथ छोड़ दिया।

मेजा के शिविर के साथ कृत्रिम उपकरण मिलना शुरू

प्रयागराज। दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण देने के लिए जिले में 24 दिवसीय शिविर गुरुवार को मेजा ब्लॉक से शुरू हो गया। सुबह ब्लॉक मुख्यालय पर दिव्यांगजन कल्याण विभाग के अफसर मौजूद रहे और यहां पर उपकरण वितरित किए गए। इसके बाद उरुवा ब्लॉक मुख्यालय पर 16 मई, जसरा ब्लॉक मुख्यालय 19 मई, शंकरगढ़ ब्लॉक मुख्यालय 20 मई, कौंधियारा ब्लॉक मुख्यालय 21 मई, करछना ब्लॉक मुख्यालय 22 मई, चाका ब्लॉक मुख्यालय 23 मई, प्रतापपुर ब्लॉक मुख्यालय 24 मई, हंडिया ब्लॉक मुख्यालय 26 मई, सैदाबाद ब्लॉक मुख्यालय 27 मई, धनूपुर ब्लॉक मुख्याचल 28 मई, होलागढ़ ब्लॉक मुख्यालय 29 मई, सोरांव ब्लॉक मुख्यालय 30 मई, मऊआइमा ब्लॉक मुख्यालय 31 मई, कौड़िहार ब्लॉक मुख्यालय दो जून, शृंग्वेरपुर धाम ब्लॉक मुख्यालय तीन जून, फूलपुर ब्लॉक मुख्यालय चार जून, बहादुरपुर ब्लॉक मुख्यालय पांच जून, बहरिया ब्लॉक मुख्यालय छह जून, सहसों ब्लॉक मुख्यालय 10 जून, कोरांव ब्लॉक मुख्यालय 11 जून, भगवतपुर ब्लॉक मुख्याचल 12 जून, शहर में राजकीय दृष्टिबाधित छात्रावास परिसर सीपीआई परिसर 13 जून को शिविर लगाया जाएगा।

दो साल से पाइप लाइन से जलापूर्ति नहीं

प्रयागराज। साहब! मेरा नाम रेखा है। मैं बहरिया के कुसंगुरपुर से बोल रही हूं। यहां दो साल से पाइप लाइन से जलापूर्ति नहीं हुई है। हम किसी प्रकार से जीवन यापन कर रहे हैं, कृपया जलापूर्ति कराएं। साहब! मेरा नाम प्रदीप मिश्र है, मैं शंकरगढ़ के मदपुरा से बोल रहा हूं। यहां टंकी से पांच दिन से पानी नहीं आ रहा है। क्षेत्र में लोग पानी के लिए परेशान हैं। कृपया जलापूर्ति के लिए कुछ प्रबंध कराएं। यह किसी जनसुनवाई में नहीं, बल्कि विकास भवन में बनाए गए कंट्रोल रूम में आई शिकायतें हैं। प्रशासन ने विकास भवन में डीडीओ स्टेनो कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया तो छह दिन में 40 से अधिक कॉल आ चुकी हैं। अधिकांश समस्याएं जल निगम से जुड़ी हैं, जबकि कुछेक समस्याएं ब्लॉकों की हैं। प्रतापपुर के धीरज सिंह ने बताया कि पानी की टंकी बनी है, लेकिन उनके क्षेत्र में पानी नहीं आ रहा है। वहीं टिकरी कला के पंचराज शुक्ला ने बताया कि पानी की टंकी होने के बाद भी एक हफ्ते से पूरा गांव पेयजल के लिए तरस रहा है। प्रतापपुर के आकाश सिंह ने बताया कि पाइपलाइन डालकर छोड़ दिया गया है, कनेक्शन नहीं किया गया है। विकास भवन में रखा गया रजिस्टर ऐसी ही समस्याओं से भरा हुआ है। डीडीओ भोला नाथ कनौजिया का कहना है कि कंट्रोल रूम में आईं इन शिकायतों को संज्ञान में लेकर अफसरों को अवगत कराया गया है। जिससे समस्या का समाधान हो सके। वहीं जल निगम के संदीप मौर्य का कहना है कि रिपोर्ट मिलते ही समस्या का तत्काल समाधान किया जा रहा है।

सीआरओ से मिले रोडवेज अफसर, बस संचालन के प्रस्तावित स्थलों की सौंपी सूची

प्रयागराज। सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन के पुर्नविकास कार्य के तहत वहां से संचालित बसों के संचालन को लेकर यूपी रोडवेज के अफसरों ने बुधवार को मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) कुंवर पंकज से मुलाकात की।

सिविल लाइंस और जीरोरोड बस स्टेशन के पुर्नविकास कार्य के तहत वहां से संचालित बसों के संचालन को लेकर यूपी रोडवेज के अफसरों ने बुधवार को मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) कुंवर पंकज से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सीआरओ ने रोडवेज अफसरों से कहा कि बसों के संचालन के लिए जो मैदान प्रस्तावित है, पहले उन संस्थानों के प्रमुखों से बस संचालन की अनुमति ली जाए।

सिविल लाइंस डिपो के एआरएम जयकरन एवं लीडर रोड डिपो के एआरएम सीबी राम ने मुलाकात के दौरान सीआरओ को बसों के संचालन के प्रस्तावित स्थलों की जो सूची सौंपी उसमें एमजी मार्ग स्थित विद्या वाहिनी मैदान, तेलियरगंज स्थित प्रिंटिंग इंस्टीट्यूट का मैदान, नेहरू पार्क मैदान, प्रयागराज जंक्शन के सामने लीडर रोड बस

स्टेशन एवं केपी कॉलेज ग्राउंड शामिल रहा।

इस दौरान अफसरों ने संबंधित मैदान से बसों के प्रस्तावित रूट की भी जानकारी दी। अफसरों ने कहा कि अगर परेड मैदान या केपी कॉलेज मैदान मिल जाए तो एक ही स्थान से सभी रूट की बसों का संचालन किया जा सकता है। यह भी कहा कि अगर यह मैदान नहीं मिलते हैं तो विद्या वाहिनी मैदान से वाराणसी, गोरखपुर, मिर्जापुर एवं प्रिंटिंग कॉलेज मैदान से लखनऊ, अयोध्या रूट और लीडर रोड से कानपुर, कौशाम्बी, दिल्ली रूट की बसें संचालित की जा सकती हैं।

बैठक में सीआरओ ने रोडवेज अफसरों से कहा कि वह प्रस्तावित मैदानों के प्रबंधन से बात करें। सीआरओ से हुई मुलाकात के बाद एआरएम लीडर रोड और सिविल लाइंस तेलियरगंज स्थित प्रिंटिंग कॉलेज पहुंचे। वहां प्रिंटिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य से उनकी मुलाकात हुई। एआरएम सिविल लाइंस ने बताया कि प्रधानाचार्य ने कॉलेज के मैदान को लेकर कहा कि यह एक शैक्षिक संस्थान है। यहां से बसों का संचालन होगा तो छात्र–छात्राओं को समस्या हो सकती है।

डॉ. वंदना ने मांगी सुरक्षा, फरार शूटर से जताया जान का खतरा

प्रयागराज। जीवन ज्योति अस्पताल के निदेशक डॉ. एके बंसल की हत्या के मामले में शामिल फरार चल रहे शूटर से डॉक्टर वंदना बंसल और उनके बेटे को जान का खतरा है। डॉ. वंदना ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई।

जीवन ज्योति अस्पताल के निदेशक डॉ. एके बंसल की हत्या के मामले में शामिल फरार चल रहे शूटर से डॉक्टर वंदना बंसल और उनके बेटे को जान का खतरा है। डॉ. वंदना ने बुधवार को पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई। 12 जनवरी 2017 की शाम को डॉ. एके बंसल की उनके ही अस्पताल में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद उनकी पत्नी डॉ. वंदना बंसल ने अज्ञात हमलावरों के

खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। करीब साढ़े चार साल बाद इस हत्याकांड का पर्दाफाश एसटीएफ ने किया था, जिसमें बिहार के शिक्षा माफिया आलोक सिन्हा को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया। आरोप है कि आलोक सिन्हा ने प्रतापगढ़ के शूटरों को 70 लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया। हत्याकांड में अब तक पूर्व ब्लॉक प्रमुख दिलीप मिश्रा, शूटर अख्तर कटरा, शोएब, अबरार मुल्ला और साजिशकर्ता आलोक सिन्हा को आरोपी बनाया जा चुका है। वहीं, प्रतापगढ़ निवासी मो. जैद उर्फ मकसूद, जो कि इस हत्या में शामिल तीन शूटरों में से एक हैं, अब तक फरार हैं।

कीडगंज पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। डॉ. वंदना बंसल को बीते कुछ समय में कई बार धमकी भरे पत्र भी मिले हैं, लेकिन इन पत्रों के पीछे किसका हाथ है, इसका खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। फरार शूटर की गिरफ्तारी न होने से बंसल परिवार की चिंता और दहशत लगातार बनी हुई है।

कैट का अहम फैसला: पूर्व आईपीएस हरीश चंद्र सिंह शीर्ष वेतनमान के हकदार, तीन माह के भीतर भुगतान का निर्देश

प्रयागराज। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने वरिष्ठता के सिद्धांत को मजबूती से स्थापित करते हुए उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हरीश चंद्र सिंह के पक्ष में एक अहम फैसला सुनाया है।

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) ने वरिष्ठता के सिद्धांत को मजबूती से स्थापित करते हुए उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हरीश चंद्र सिंह के पक्ष में एक अहम फैसला सुनाया है। कैट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह सिंह को उनके कनिष्ठ अधिकारी जावीद अहमद (पूर्व डीजीपी) के बराबर 80 हजार रुपये का शीर्ष वेतनमान एक जनवरी 2016 से प्रदान करे। साथ ही सभी बकाया, पेंशन सहित अन्य लाभ तीन माह के भीतर अदा करे।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव जोशी सदस्य व माननीय सदस्य अंजनी नंदन शरन की खंडपीठ ने हरीश चंद्र सिंह की अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया। प्राथी हरीश चंद्र सिंह 1984 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश कैडर आवंटित किया गया था, जिसमें वह 17वें स्थान पर थे। जबकि, पूर्व डीजीपी जावीद अहमद आवेदक से कैडर में दो स्थान नीचे थे। 30 जून 2015 को आवेदक और जावीद अहमद को पदोन्नत किया गया। जावीद अहमद को डीजीपी पद पर नियुक्त कर उच्च वेतनमान दे दिया गया। वहीं, आवेदक को उसी दिन प्रशिक्षण महानिदेशक, उन्नाव का पदभार दिया गया, पर स्केल नहीं दिया गया। इसे आवेदक ने कैट में चुनौती दी।

कैट ने राज्य सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना करार देते हुए कहा कि वरिष्ठता का सम्मान किया जाना चाहिए, जब तक कि इसके विरुद्ध कोई ठोस कारण प्रस्तुत न किया जाए। कैट ने अपने फैसले में 'नेक्स्ट बिलो रूल' का हवाला देते हुए कहा कि जहां वरिष्ठ अधिकारी को छोड़कर जूनियर को लाभ दिया जाए, वहां न्याय का उल्लंघन होता है। यह टिप्पणी करते हुए आवेदक की अर्जी स्वीकार कर ली।

स्लीपिंग पॉड, रेल कोच रेस्टोरेंट के बाद अब एग्जीक्यूटिव लाउंज भी हुआ बंद

प्रयागराज। स्लीपिंग पॉड, रेल कोच रेस्टोरेंट के बाद अब प्रयागराज जंक्शन स्थित एग्जीक्यूटिव लाउंज पर भी ताला लग गया है। बताया जा रहा है कि एग्जीक्यूटिव लाउंज के संचालक को लगातार घाटा लग रहा था। स्लीपिंग पॉड, रेल कोच रेस्टोरेंट के बाद अब प्रयागराज जंक्शन स्थित एग्जीक्यूटिव लाउंज पर भी ताला लग गया है। बताया जा रहा है कि एग्जीक्यूटिव लाउंज के

संचालक को लगातार घाटा लग रहा था। रेलवे को दिए जाने वाले किराये के मुकाबले उसकी लागत नहीं निकल पा रही थी। इस वजह से संबंधित संचालक द्वारा एग्जीक्यूटिव लाउंज बंद कर दिया गया है। पिछले वर्ष सितंबर माह में ही प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड स्थित मुख्य हॉल में एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ हुआ था। यहां यात्रियों के लिए जहां एक ओर आरामदायक सोफे लगाए गए तो वहीं दूसरी ओर मोबाइल चार्जिंग प्वांइट के साथ नाश्ता एवं भोजन आदि का प्रबंध था। शुरूआत में एग्जीक्यूटिव लाउंज का रिस्पांस भी बेहतर था। महाकुंभ के बाद यहां यात्रियों की आवाजाही कम होने की वजह से जो फर्म इसका संचालन कर रही थी उसने अपना लाइसेंस सरेंडर कर दिया। बताया जा रहा है कि झांसी की कृष्णा कैटरर्स नाम की फर्म एग्जीक्यूटिव लाउंज का संचालन कर रही थी। फर्म संचालक पर्वत सिंह यादव ने बताया कि बीते कुछ समय से एग्जीक्यूटिव लाउंज में यात्रियों की कम आवाजाही से उन्हें घाटा हो रहा था। इसी वजह से उसे अब बंद कर दिया गया है। बता दें कि एग्जीक्यूटिव लाउंज में लगी कुर्सियों में प्रति व्यक्ति का रेट प्रति घंटा 25 रुपये एवं आरामदायक सोफों का रेट 109 रुपये प्रतिघंटा निर्धारित किया गया था। इस बारे में प्रयागराज मंडल के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला का कहना है कि एग्जीक्यूटिव लाउंज का संचालन फिर से शुरू हो इसके लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सेना ने बड़े हनुमान मंदिर के आसपास हटाया अतिक्रमण

प्रयागराज। पड़िला में सैन्य हवाई पट्टी पर पांच दिन पहले अवैध कब्जा हटाने के बाद रक्षा संपदा कार्यालय ने अब संगम क्षेत्र में बगैर आवंटन के चल रही दुकानों पर कार्रवाई की। सेना की निगरानी में बुधवार को तीन घंटे चली कार्रवाई में आधा दर्जन दुकानें तोड़ी गईं। एक सौ से अधिक पटरी दुकानों को सड़क से हटाया गया। मेला प्रशासन से आवंटित एक दर्जन दुकानों के सामने भी अतिक्रमण हटाए गए। सहायक रक्षा संपदा अधिकारी कृष्णकांत के नेतृत्व में रक्षा संपदा कार्यालय, सेना और मेला प्रशासन की संयुक्त टीम बुलडोजर लेकर सुबह 11 बजे संगम क्षेत्र पहुंच गई। कार्रवाई शुरू करने के पहले माइक से अवैध दुकानें हटाने को कहा गया।

शहर के विस्तारित क्षेत्र में भी सेवा करेंगे सिविल डिफेंस के वॉलंटियर

प्रयागराज। सिविल डिफेंस के वॉलंटियर अब शहर के विस्तारित क्षेत्र में भी अपनी सेवा देंगे। नागरिक सुरक्षा कोर प्रयागराज में ढांचे का विस्तार करने जा रहा है। नई भर्ती के लिए वार्डनों को फॉर्म वितरित किए गए हैं। पहले चरण में एक हजार वॉलंटियर बनाने की योजना है। पांच साल पूर्व शहर की सीमा विस्तार के बाद 20 नए वार्ड बढ़े हैं। अधिकतर वॉलंटियर की भर्ती नए वार्डों में होगी। अभी तक नागरिक सुरक्षा कोर नगर निगम की पांच साल पूर्व की चौहद्दी में अपनी सेवा दे रहा है। सरहद पर भारत–पाक के बीच तनाव के बाद कोर के विस्तार का निर्णय लिया गया। विस्तार को लेकर कोर की सोमवार को बैठक हुई। कोर के डिप्टी कंट्रोलर नीरज मिश्रा ने बताया कि शहर की सीमा का विस्तार हुआ है। इसलिए कोर का विस्तार भी जरूरी है। शहर के कई हिस्से में कोर की उपस्थिति बिलकुल नहीं है। अब शहरी क्षेत्र के रिक्त जगहों पर वॉलंटियर की तैनाती के साथ संगठन को मजबूत बनाना है, ताकि किसी तरह की आपदा में लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था को बेहतर कर सकें।

पांच दिनों में 76 बच्चों ने किया आवेदन

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में 24 मई से ग्रीष्मकालीन बाल कार्यशाला का आयोजन होने जा रहा है। 22 जून तक चलने वाली कार्यशाला के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 22 मई तक है। खास बात है कि पांच दिनों के भीतर 76 बच्चों ने कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने के लिए आवेदन कर चुके हैं। इनमें पेंटिंग में 22, कथक में 20, अभिनय में 17 व हरियाणवी नृत्य सीखने के लिए 17 बच्चों ने अपनी रुचि दिखाई है। केंद्र के मीडिया प्रभारी अमरीश द्विवेदी ने बताया कि छह विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के जरिए बच्चों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

तकनीकी दिवस पर याद किया गया पोखरण

प्रयागराज। एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 1998 में पोखरण में भारत की ओर से किए गए सफल परमाणु परीक्षणों की याद किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत की तकनीकी उपलब्धियों को उजागर करने के लिए इस दिन (प्रौद्योगिकी दिवस) की घोषणा की थी। कार्यक्रम का उद्देश्य जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों और दैनिक जीवन में उनके अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रौद्योगिकी के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। डॉ. अनुराधा सिंह ने छात्राओं को प्रौद्योगिकी दिवस के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. अखलाकुर रहमान, डॉ. शबनम प्रवीण, डॉ. शुभ्रा मालवीय, डॉ. दुर्गेश सिंह, डॉ. सरिता अग्रवाल, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

अभिनेता राजेंद्र गुप्त ने आमंत्रण किया स्वीकार

प्रयागराज। साहित्यिक संस्था गुफ्तगू के वार्षिक आयोजन गुफ्तगू साहित्य समारोह–2025 18 मई को होगा। जिसमें खेल, पत्रकारिता, साहित्यकार व अधिवक्ताओं को समाज में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि बॉलीवुड के प्रख्यात अभिनेता राजेंद्र गुप्त होंगे, जिन्होंने समारोह में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। आयोजन आर्य कन्या इंटर कॉलेज के परिसर में किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद गाजी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि राज्य उपभोक्ता विवाद परितोष आयोग के पूर्व अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक कुमार, पूर्व अपर महाधिवक्ता कमरुल हसन सिद्दीकी व शिक्षाविद् पंकज जायसवाल होंगे।

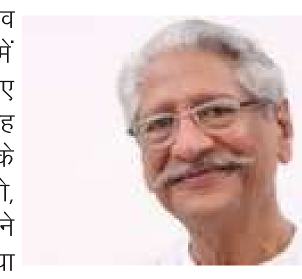

दिव्यांगजनों को शिक्षित कर सबल बनाना मुख्य उद्देश्य

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग की ओर से तीन दिनी सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि कुलाधिपति मनीष मिश्र ने कहा कि इस कार्यक्रम में 18 जिलों के प्रतिभागीगण हिस्सा ले रहे हैं। दिव्यांगजनों को शिक्षित कर सबल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए शिक्षकों को आधुनिक तकनीक सहित एआई तकनीक पर विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि शिक्षा का युग बदल रहा है। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय में 55: लड़कियां शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। विशिष्ट अतिथि उपनिदेशक डीईपीडब्ल्यूडी अभय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आरसीआई शिक्षा के क्षेत्र में बहुआयामी कार्य कर रहा है। अशोक कुमार गौतम ने कहा कि शिक्षा को इंटरएक्टिव होना चाहिए। डॉ. राजेश तिवारी, डॉ. प्रमोद मिश्र, डॉ. आदिनाथ, डॉ. एसएस मिश्र आदि मौजूद रहे।

साई ब्रदर्स ने भारतीय सेना को समर्पित किया गीत

प्रयागराज। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान नन्हें कलाकार 13 वर्षीय अशित व सात वर्षीय आरव (साई ब्रदर्स) ने भारतीय सेना के लिए गीत लिखा है। साई ब्रदर्स ने ना केवल 'मिशन सिंदूर की शपथ लिए गीत को खुद कंपोज किया, उसका म्यूजिक तैयार करके व गाया भी।

इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह की वीरता का भी उल्लेख किया है। सांई ब्रदर्स के पिता वीरेंद्र कुमार ने बताया कि बच्चों ने भारतीय सेना के जवानों की वीरता, समर्पण और त्याग को समर्पित करने के उद्देश्य से गीत गाया है। इसे तैयार करने में चार दिन लगे।

साहित्कार प्रकाश को दिल का दौरा, अस्पताल में भर्ती

प्रयागराज। शिवकुटी के रहने वाले शहर के साहित्यकार 78 वर्षीय जनकवि प्रकाश को दिल का दौरा पड़ने पर शहर के विनीता हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालात स्थिर है। साहित्यकार की पत्नी राज किशोरी का चार मई को बीमारी के चलते निधन हो गया था। पत्नी के निधन के चार दिन बाद जनकवि की तबीयत अचानक बिगड़ जाने पर अस्पताल में भर्ती किया गया। साहित्यकार डॉ. शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल, रविनदंन सिंह, समाजसेवी नागेंद्र सिंह, उमेश श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप चित्रांशी, डॉ. पीयूष मिश्र, रचना सक्सेना, शैलेंद्र मधुर, तलब जौनपुरी ने साहित्यकार के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

अखंड ज्योति दिलाती है बाबा की याद: कमल मित्तल (किसान चिंतक)

सिसौली। भाकियू मुख्यालय सिसौली में हमेशा की तरह अखंड किसान ज्योति किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की यादें ताजा करती है। अखंड किसान ज्योति में किसान मसीहा बाबा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत द्वारा प्रतिदिन घी डाल कर अखंड ज्योति के रुप में रखा जाता था यह ज्योति आज भी निरंतर बाबा टिकैत की याद दिला रही है ।अब अखंड ज्योति में बाबा टिकैत के पुत्र नरेंद्र टिकैत प्रतिदिन घी डालकर ज्योति को

जलने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। अगर नरेंद्र किसी कारणवश घर में नहीं है तो उनके परिवार के अन्य सदस्य इस अखंड ज्योति की गति को गतिमान बनाए रखने के लिए इसमें घी डालकर इसकी देखरेख करते हैं । आज भाकियू मुख्यालय मे बाबा टिकैत की पुण्यतिथि पर इस अखंड जोत को बाबा की समाधि 'न्याय भूमि 'के सामने रखा गया जिस पर अनेक लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित की। अखंड ज्योति बाबा टिकैत की ताकत समझी जाती थी। बताया जाता था बाबा टिकैत जब कोई बडा आंदोलन करते थे तो पहले वह ज्योति में घी डालकर ही उस कार्य का शुभारंभ करते थे। किसान चिंतक कमल मित्तल, समाज सेवी जयदेव बालियान, पूर्व मंत्री योगराज सिंह सहित हजारों की संख्या में बाबा टिकैत के अनुयायियों ने अखंड दिव्यज्योति में घी डालकर देश मे सुख शांति के लिए प्रार्थना की।

क्रिसेंट पब्लिक स्कूल के समर कैंप का भव्य समापन व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

प्रयागराज। क्रिसेंट पब्लिक स्कूल प्रयागराज में तीन दिवसीय समर कैंप का आज समापन समारोह हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग के सुविख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कलाकार तलत महमूद को बुके प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने जीवन में कला के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम की मेजबानी क्रिसेंट पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल एजाज शेरवानी ने की और समर कैंप का आयोजन एजीलेस्पेन की निदेशक फाइका सिद्दीकी ने किया। समर कैंप की गतिविधियों में

हैंडबैग मेकिंग, नो फ्लेम कुकिंग, हैंड पेंटिंग, फ्रॉग मेकिंग, रीक्रिएट स्पोर्ट्स, पूल पार्टी, बैज मेकिंग, मेंधी आर्ट, मफिन मेकिंग और कई अन्य कलाएं शामिल हैं। सभी शिक्षकों ने गतिविधियों में भाग लिया। समर कैंप में भाग लेने वाले बच्चे इस प्रकार थे आहित, अबुजर आलम, इनाया फातिमा, नशरा फातिमा, सुहालिया, रिजा फातिमा, मोहम्मद अली, अब्दुर रजिक, मोहम्मद अरमान, शमी अहमद, मोहम्मद मुजम्मिल, अथर्व रावल, अब्दुल रज्जाक, अम्मारा, हमदान अहमद, अबी ज़ार, अब्बास, अब्दुर रहमान अली, आयत खान, शिफा फातिमा, मोहम्मद अबान, आयशा फातिमा, अनाया।

'यात्रियों की सुविधा हेतु लखनऊ स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य'

'रेलसेवाए मार्गपरिवर्तित रहेंगी. .....

प्रयागराज। उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, इस कार्य के दौरान लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 4 व 5 पर कोनकोर्स निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त कार्य हेतु उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित निम्न रेलसेवाएं प्रभावित रहेंगी:–

'मार्ग परिवर्तित रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से)'

1. गाडी संख्या 15269,मुजफ्फरपुर–साबरमती रेलसेवा जो दिनांक 15.05.25, 22.05.25, 29.05.25, 05.06.25, 12.06.25, 19.06.25, 26.06.25 व 03.07.25 को मुजफ्फरपुर से प्रस्थान करने वाली रेलसेवा परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मल्हौर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होकर संचालित होगी एवं परिवर्तित मार्ग में लखनऊ के स्थान पर बादशाहनगर व ऐशबाग जं. पर ठहराव करेगी।

2. गाडी संख्या 19410, गोरखपुर–साबरमती रेलसेवा जो दिनांक 17.05.25, 19.05.25, 24.05.25, 26.05.25, 31.05.25, 02.06.25, 07.06.25, 09.06.25, 14.06.25, 16.06.25, 21.06.21, 23.06.25, 28.06.25, 30.06.25, 05.07.25 व 07.07.25 को गोरखपुर से प्रस्थान करने वाली रेलसेवा परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, मल्हौर, ऐशबाग, कानपुर सेन्ट्रल होकर संचालित होगी एवं परिवर्तित मार्ग में लखनऊ के स्थान पर बादशाहनगर व ऐशबाग जं. पर ठहराव करेगी।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये ग्रीष्म ऋतु के दौरान पूर्व में जारी विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तारित तिथि
07323	श्री सिद्धारूढ़ा स्वामी जी हुब्बलि-बनारस	शनिवार	10.05.2025	17.05.2025 से 28.06.2025 तक
07324	बनारस-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बलि	मंगलवार	13.05.2025	20.05.2025 से 01.07.2025 तक
07327	बेलगावि-मऊ	रविवार	11.05.2025	18.05.2025 से 29.06.2025 तक
07328	मऊ-बेलगावि	बुधवार	14.05.2025	21.05.2025 से 02.07.2025 तक

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 836/25(A)

इनर व्हील क्लब ऑफ़ मुज़फ्फरनगर द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु निःशुल्क टीकाकरण शिविर का सफल आयोजन किया गया

मुजफ्फरनगर। इनर व्हील क्लब ऑफ मुज़फ्फरनगर (डिस्ट्रिक्ट 310) द्वारा अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार "सर्वाइकल कैंसर से बचाव" विषय पर आधारित एक विशेष निरूशुल्क टीकाकरण शिविर का सफल आयोजन आज कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सर्कुलर रोड पर किया गया। इस आयोजन में कुल 62 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन की पहली डोज लगाई गई, जिसमें 50 बच्चियों को आज वैक्सीन दी गई, जबकि 12 बच्चियों को पहले ही यह डोज लगाई जा चुकी थी। 62 बच्चियों को 1,61,200 / –

कार्यक्रम की शुरुआत डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती विशाल प्रिया टंडन द्वारा फीता काटकर की गई। इस कार्यक्रम के गेस्ट ऑफ ऑनर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया रहे, जिनके मार्गदर्शन में संपूर्ण टीकाकरण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. गीतांजलि का भी इस अवसर पर महत्वपूर्ण सहयोग रहा, जिन्होंने चिकित्सकीय व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली।

इस प्रोजेक्ट की को–चेयरमैन पीडीसी श्रीमती संतोष शर्मा, क्लब प्रेसिडेंट डॉ. ऋंकू एस. गोयल, और क्लब सेक्रेटरी श्रीमती टीना गुप्ता ने

इस आयोजन को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई। इनके साथ–साथ क्लब पीडीसी डॉ. दीप्ति अग्रवाल, श्रीमती ऋतु जैन, क्लब ट्रेजरार श्रीमती पारुल मित्तल, वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती आशु आनंद, और कस्तूरबा विद्यालय की प्रिंसिपल का भी उल्लेखनीय सहयोग रहा। गौरतलब है कि इन सभी 62 वैक्सीन डोज़ की कीमत 1,61,200 ₹ का पूरा खर्च क्लब के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत योगदान से वहन किया गया, जो समाजसेवा के प्रति इनर व्हील क्लब ऑफ़ मुज़फ्फरनगर की निष्ठा और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्लब प्रेसिडेंट डॉ. रिंकू एस गोयल और पीडीसी संतोष शर्मा ने सभी पदाधिकारियों और क्लब सदस्यों का तहदिल से आभार प्रकट किया।

इनर व्हील क्लब ऑफ़ मुज़फ्फरनगर सामाजिक सरोकारों में सदैव अग्रणी रहा है। वर्ष की शुरुआत में क्लब द्वारा जलेबी चौक (बालाजी चौराहा) क्षेत्र में एंटी–डंपिंग अभियान चलाकर वहाँ के कूड़े के ढेर हटवाए गए, पेंटिंग करवाई गई और पक्का फर्श बनवाकर उस स्थान को स्वच्छ और सुंदर रूप दिया गया। यह कार्य नगर पालिका के सहयोग से संभव हुआ। अब इस सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण परियोजना ने जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई मिसाल पेश की है। क्लब का यह मानना है कि दृ "बूंद–बूंद से सागर बनता है", और इसी सोच के साथ क्लब के सदस्य समाज को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हर वर्ष क्लब की प्रत्येक टीम इस भावना को आत्मसात कर उत्कृष्ट कार्य करती है। इस आयोजन के माध्यम से क्लब को आशा है कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़कर सहयोग प्रदान करेंगे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत

सिसौली (मुजफ्फरनगर)। किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 14 वीं पुण्यतिथि देश की सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले वीर सैनिकों को समर्पित की गई है। मुख्य कार्यक्रम आज भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) मुख्यालय किसान भवन, सिसौली में आयोजित किया गया।

मुख्य कार्यक्रम में आज किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 14वी व श्रीमती बलजोरी देवी टिकैत की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सिसौली के किसान भवन में न्याय भूमि के समक्ष हवन(यज्ञ) का आयोजन हुआ, जिसमें किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के पोत्र आदित्य टिकैत सपत्निक यजमान की भूमिका में यज्ञ में शामिल हुए। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत , राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी

राकेश टिकैत,लाटियान खाप के चौधरी वीरेंद्र , लोकदल विधायक प्रसन्न चौधरी , सांसद हरेंद्र मलिक,पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजीव बालियान , पूर्व मंत्री योगराज सिंह ,किसान चिंतक कमल मित्तल, समाजसेवी जयदेव बालियान, शामली शुगर मिल के केन जी एम बलधारी सिंह आदि सैकड़ों किसानों ने यज्ञ में आहुति दी। भाकियू मुखिया चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि सैनिक हमारे देश के असली नायक है। फ़ौज में भर्ती होने के साथ ही अपने घर परिवार से दूर रहकर देश की रक्षा करते है। सांसद हरेंद्र मलिक ने कहा कि हमे किसान मसीहा चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के आदर्शो को अपनाते हुए आगे बढ़ना होगा। किसान और जवान देश का सम्मान है। कार्यक्रम में आये क्षेत्र के किसानों ने अलग अलग प्रकार के व्यंजनों के स्टाल लगाए।

आज के कार्यक्रम में विधायक प्रसन्न चौधरी, राजपाल बालियान,सांसद हरेंद्र मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजीव बालियान, गौरव टिकैत, नरेंद्र टिकैत, किसान चिंतक कमल मित्तल कमल मित्तल, पूर्व मंत्री योगराज सिंह , समाजसेवी जयदेव बालियान ,रघु एवं वंश टिकैत, विधायक पंकज मलिक आदि शामिल हुए।

11 जून को शुकतीर्थ स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर में पधारेंगे सीएम योगी: मंत्री कपिल देव

मुजफ्फरनगर। प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री एवं मुजफ्फरनगर के नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल ने कल (बुधवार) राजधानी लखनऊ में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ अखिल भारतीय संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर, शुक्रताल (मुजफ्फरनगर) के पीठाधीश्वर महंत श्री गोरधनदास जी महाराज भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान मंत्री कपिल देव एवं महंत श्री गोरधनदास जी महाराज ने मुख्यमंत्री योगी जी को आगामी 11 जून 2025 को शुक्रताल स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर में आयोजित होने वाले विशाल संत समागम एवं सत्संग कार्यक्रम का औपचारिक निमंत्रण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक जागरण एवं संत परंपरा के गौरवशाली विचारों के प्रचार–प्रसार हेतु एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिसमें देशभर से लाखों संत–महात्मा, भक्तजन एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि संत परंपरा और आध्यात्मिक आयोजनों का समाज निर्माण में विशेष महत्व है। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित की और यहाँ आगमन की स्वीकृति प्रदान की है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों एवं जनसहयोग से हो रहे आध्यात्मिक–सामाजिक प्रयासों की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने मंदिर की गतिविधियों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री कपिल देव ने बताया कि यह भेंटवार्ता समरस समाज और संत परंपरा की सशक्त अभिव्यक्ति रही। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति के प्रबल समर्थक और संवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के यहाँ आगमन से न केवल धार्मिक आस्था को बल मिलेगा बल्कि सामाजिक समरसता को भी एक नई दिशा प्राप्त होगी।

ईसीसी के शिक्षकों की पदोन्नति की फाइलें विश्वविद्यालय में लगभग 1 वर्ष से लंबित (शिक्षकों ने आक्रोश व्यक्त किया) आंदोलन की दी चेतावनी

प्रयागराज। आज ईसीसी शिक्षक संघ की आम सभा की बैठक प्रो थॉमस अब्राहम की अध्यक्षता में भौतिक विज्ञान विभाग में हुई। सचिव ने बताया कि एक वर्ष पूर्व ही कॉलेज ने शिक्षकों का प्रमोशन करके विश्वविद्यालय को अनुमोदन के लिए भेज दिया था। कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो अरुण एस मोजेज ने शिक्षकों से जुड़े मुद्दों पर अद्यतन स्थिति के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। सभी सदस्यों ने इस बात पर क्षोभ,आक्रोश और आश्चर्य व्यक्त किया कि असिस्टेंट प्रोफेसर्स के लेवल 10 से लेवल 11 के पदोन्नति की फाइल माननीय कुलपति से अनुमोदन के लिए विश्वविद्यालय में लगभग 1 वर्ष से पड़ी हुई है; इसके अलावा तीन सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर के एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पर प्रमोशन के लिए विषय विशेषज्ञों की अनुमति की फ़ाइल भी छः महीने से अधिक समय से विश्वविद्यालय में पड़ी हुई है। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो थॉमस ने कहा कि महाविद्यालयों के शिक्षकों के विभिन्न प्रकार की फाइलें विश्वविद्यालय में रुके रहने से ना सिर्फ वे हतोत्साहित होते हैं बल्कि उनका शिक्षण और शोध कार्य भी प्रभावित होता है जो की चिंता का विषय है। ऑक्टा के पूर्व अध्यक्ष प्रो उमेश प्रताप सिंह ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वविद्यालय की नाराजगी महाविद्यालय के प्रबंध तंत्र से है तो इसके लिए शिक्षकों के कार्य रोके जा रहे हैं, महाविद्यालय को पीछे धकेलना का कार्य किया जा रहा है और उसकी प्रगति अवरुद्ध की जा रही है!

प्रोफेसर जस्टिन मसीह ने कहा कि महाविद्यालय अपने अधिकारों के लिए भी ना लड़े और इसके लिए महाविद्यालय और शिक्षकों के कार्यों को लगातार रोका जाए, यह विश्वविद्यालय के नीति उचित नहीं है। बैठक में यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिक्षकों से संबंधित सभी रुके हुए मुद्दों पर शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल डीन कॉलेज डेवलपमेंट से मिलेगा।इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के संबंधित अधिकारियों से लगातार पत्राचार किया जाएगा, नियमित अंतराल पर विश्वविद्यालय को रिमाइंडर भेजा जाएगा। इस संदर्भ में एक पत्र ऑक्टा अध्यक्ष को भी भेजने का निर्णय लिया गया। सभी ने एक स्वर में कहा कि अब हम आंदोलन के लिए भी तैयार हैं।

बैठक का संचालन सचिव डॉ प्रेम प्रकाश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त सचिव डॉ अभिनव लाल ने किया।

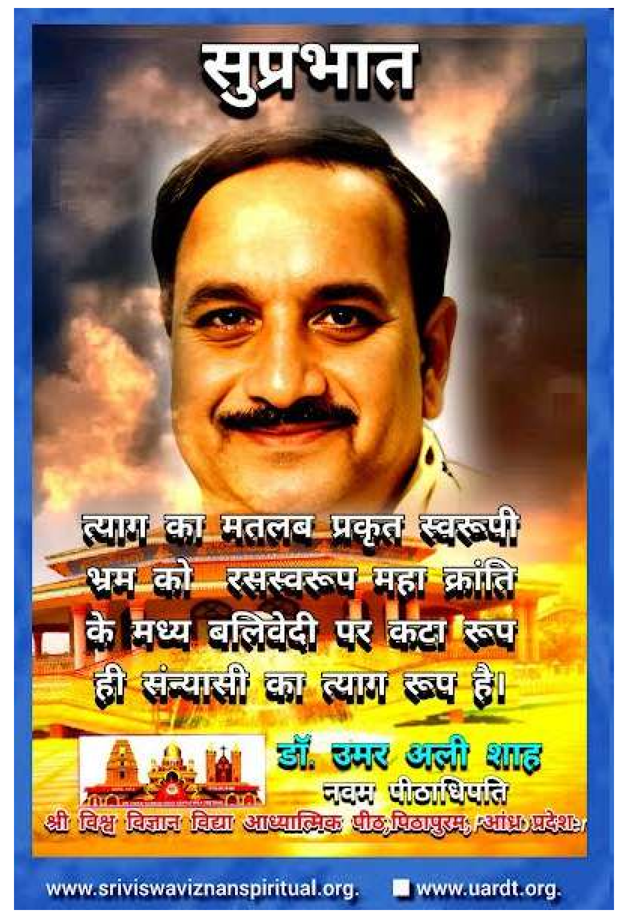

रिश्तों को जिन्दा रखे

(कुण्डलिया)

उलझाओ मत बात को, रखो हमेशा याद।
रिश्तों को ज़िन्दा रखे, आपस के संवाद।
आपस के संवाद, भोर की किरणे बनकर।
बने सुहानी शाम, अहं को मन से तजकर।
सबकुछ जान प्रदीप, कहे मिल जुलकर गाओ।
मीठी मधुर जबान, तिक्त कह मत उलझाओ।।

संबंधो की आड़ में, निभा रहे हैं साथ।
व्यापारी उनको समझ, झटको उनका हाथ।
झटको उनका हाथ, मगर दूरी मत रखना।
बातें उनसे साफ, हमेशा करते रहना।
कहते यही प्रदीप,समझ कर उन्हें बुलाओ।
कह दो सारी बात,सभी कुछ संबंधो की।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

क्रेडिट कार्ड को बंद करने का झांसा देकर उड़ाई हजारों की रकम

बैंक शाखा मे क्रेडिट कार्ड बनाने वाली महिला कर्मचारी पर रैकेट चलाने का है आरोप, पुलिस जांच मे जुटी

मोरना। भारतीय स्टेट बैंक की शाखा पर विश्वास कर शाखा के महत्वपूर्ण काउंटर पर मौजूद युवती द्वारा झूंठ बोलकर बनाये गये क्रेडिट कार्ड को प्रयोग न करने पर भी हजारों की रकम चार्ज के रूप मे स्वतः ही खाते से काटने के बाद कार्ड को बंद कराने गये पीड़ित के इनकार करने के बावजूद दूसरा क्रेडिट कार्ड बनाकर उससे हजारों की बड़ी रकम को उड़ा दिया गया है। पीड़ित ने फ्राड करने वाले व्यक्तियो को नामजद करते हुए थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला सुभाष चौक निवासी काजी मो.

अमजद ने थाने पर दी तहरीर मे बताया की कस्बे मे स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा मे उसका बचत खाता है। बीते वर्ष उसे बैंक शाखा मे बुलाया गया था।और शाखा के बेहद सम्मानित ग्राहक बताकर वहां मौजूद एक महिला कर्मचारी द्वारा क्रेडिट कार्ड की सुविधा देने को कहा गया। सुविधा लेने से इनकार करने पर निशुल्क सुविधा प्रदान करने का झूठ बोलकर क्रेडिट कार्ड बना दिया गया। कार्ड को प्रयोग मे न करने पर भी पीड़ित के खाते से साढ़े तीन हजार रूपये की रकम को स्वतःही काट लिया गया। पीड़ित ने शाखा मे जाकर कार्ड बंद करने की गुहार लगाई। जिसके बाद पीड़ित के मोबाइल पर एक व्यक्ति लगातार कार्ड बंद करने को सम्पर्क करता रहा तथा उस व्यक्ति ने पुराना कार्ड बंद करने के नाम पर एक नया कार्ड भी भेज दिया।जिसके बाद बीते नो मई को पीड़ित के खाते से साढ़े तीन हजार रूपये खाते से काट लिए गये जानकारी करने पर यह भी पता चला की नए कार्ड से साठ हजार से अधिक की रकम को अलग अलग समय पर निकाला गया है। पीड़ित ने क्रेडिट कार्ड बनाकर साइबर फ्रॉड करने वाली शाखा से जुडी महिला कर्मचारी व उसके साथी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस मामले की जांच मे जुट गयी है।

आरेडिका में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पर साहित्यिक व्याख्यान का आयोजन

रायबरेली। आरेडिका में राजभाषा विभाग के तत्वावधान तथा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी पर आज दिनांक 15.05.2025 को साहित्यिक व्याख्यान एवं वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र तथा अतिथि वक्ता डा0 चम्पा श्रीवास्तव (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य फिरोज गाँधी कॉलेज रायबरेली) ने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की।

वाक् प्रतियोगिता के अन्तर्गत आरेडिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के जीवन एवं साहित्यिक परिचय पर बोलते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने गद्य एवं पद में हिंदी भाषा को परिष्कृत किया।

सम्पादकीय........

आदमपुर का संदेश

सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार की सुबह अचानक पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस की यात्रा करके प्रधानमंत्री ने सबको चौंकाया। प्रतीकों के जरिये संदेश देने की कला में माहिर प्रधानमंत्री की इस यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। निस्संदेह, इस यात्रा के गहरे निहितार्थ थे। पहले तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी हमले के सामने अभेद्य दीवार बनकर खड़े रहे इस एयरबेस के वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाना था, तो दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने पाक को बेनकाब करना था। दरअसल, पाक ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस पर हमले करके 'सुदर्शन चक्र' यानी एस–400 को तबाह कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस एयरबेस में वायु सेना के कर्मियों से बातचीत की और शानदार काम के लिये उनकी पीठ थपथपायी। निश्चय ही प्रधानमंत्री का वायु सैनिकों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन करना प्रेरक पहल है। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। आतंकी ठिकानों और सैन्य हवाई अड्डों पर सटीक हमले इस ऑपरेशन के कामयाब लक्ष्य रहे। सबसे महत्वपूर्ण इस दौरान भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता रही। जिसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों पर हमले की पाकिस्तान की तमाम कोशिशों को विफल बना दिया । उल्लेखनीय है कि सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को तिनके की तरह मार गिराने के लिये देश के वायु रक्षा कवच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी। ठीक अगले ही दिन, उन्होंने आदमपुर एयरबेस की यात्रा की और वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह हमारे वायु योद्धाओं और सशस्त्र बलों की बहादुरी को देश का हृदय से सलाम ही था। साथ ही प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की जड़ पर प्रहार किया। दरअसल पड़ोसी पाक दावा करता रहा है कि उसकी मिसाइलों ने आदमपुर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली एस–400 को ध्वस्त कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जब प्रधानमंत्री वायु सैनिकों को संबोधित कर रहे थे तो पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से सही–सलामत 'सुदर्शन चक्र' दिखाई दे रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को सच बताने के लिये ये काफी था। एयरबेस में वायु सेना कर्मियों व अधिकारियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। जो पाक को स्पष्ट संदेश दे गया कि वायु सेना के पास जश्न मनाने की वजह मौजूद है। निश्चित रूप से पाकिस्तान के मुकाबले भारत की वायु शक्ति की श्रेष्ठता पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन यह 'ऑपरेशन सिंदूर' ही था, जिसने नये युग के युद्ध में भारतीय वायुसेना की दक्षता सिद्ध की। देश की वायु सेना युद्ध शक्ति, आक्रमण, रक्षा क्षमता,आधुनिकीकरण और रसद आपूर्ति के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाओं में से एक है। वैश्विक स्तर पर,यह चीन,इस्राइल और फ्रांस की वायु सेनाओं से भी बेहतर है। यही वजह है कि भारतीय वायुसेना को उपमहाद्वीप में स्पष्ट व निर्णायक बढ़त प्राप्त है। जिसके चलते पाकिस्तान को किसी दुस्साहस करने से रोका जा सका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात की गवाह है कि अचूक मिग–29 फाइटर जेट्स और 'सुदर्शन चक्र' एस–400 की ताकत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। साथ ही नागरिक क्षेत्रों पर सैकड़ों ड्रोन हमलों को विफल बना दिया। उल्लेखनीय है कि आदमपुर एयरबेस मिग–29 फाइटर जेट्स का गढ़ माना जाता है। केवल 'ऑपरेशन सिंदूर' ही नहीं, वर्ष 1971 के इस एयर बेस ने पाक के खिलाफ निर्णायक भूमिका निभायी थी। इस बार उन्नत मिग–29 ने लाहौर और कराची में पाक के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करके पाक सेना का मनोबल तोड़ दिया। दरअसल, वेस्टर्न कमांड के तहत भारत की वायुसेना के इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम ने भारत की वायु प्रतिरक्षा प्रणाली को अभेद्य बना दिया। जो पश्चिमी हवाई सीमा के लिये कवच साबित हुई। बहरहाल, आदमपुर में प्रधानमंत्री के दौरे ने पाक को साफ चेतावनी दे दी है कि भारत का आसमान कुशल वायुसेना के योद्धाओं के चलते अभेद्य है। हम हर चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। साथ ही यह भी बताया कि हम न केवल अपनी रक्षा करने में सक्षम हैं बल्कि दुश्मन को उसके घर में भी शिकस्त दे सकते हैं।

क्रिकेट, कोहली और बाजार

अरविन्द मोहन

विराट कोहली जैसे क्रिकेटरों को इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने वन डे क्रिकेट, जिसे कभी पाजामा क्रिकेट भी कहा जाता था, से पिट रहे टेस्ट मैचों में जान लौटाई है।

बीच आईपीएल में संन्यास की घोषणा की उम्मीद तो रोहित शर्मा से भी नहीं थी, लेकिन विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास की घोषणा ने क्रिकेट जगत और उनके करोड़ों प्रशंसकों को चौंकाया। जल्दी ही इंग्लैंड दौरे के लिए टीम का चुनाव होना है। विराट बहुत बड़े खिलाड़ी और महान टेस्ट कप्तान रहे हैं और बीच में फार्म की हल्की गिरावट (और कोरोना की भी मार) के बाद से फिर खेलने लगे हैं और आईपीएल में भी सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की रेस में नए–नए सितारों को चुनौती दे रहे हैं। उनका फिटनेस और मैदान में अपने कम उम्र और एकदम नए कप्तान समेत सबके साथ व्यवहार बहुत अच्छा है, उनका सेलेबरेशन का तरीका अभी भी प्रतिद्वन्द्वियों को चुभता है तो उनकी बल्लेबाजी का खौफ बना हुआ है। रोहित पर ये बातें लागू नहीं होती। अब उनका क्रिकेट साफ ढलान पर है– सिर्फ टेस्ट में ही नहीं, सभी फार्मेट में। और बेचारे रविचंद्रन अश्विन तो सेलेक्शन के तौर तरीकों से ऊबकर सारे फार्मेट से सन्यास घोषित कर चुके हैं। उन्होंने भी आईपीएल खेलते रहने का फैसला किया था–ये दोनों तो खेल ही रहे हैं और अश्विन टेस्ट के स्पेशलिस्ट होकर बीस ओवर वाले क्रिकेट में धुना रहे हैं। आईपीएल का लोभ ऐसे महान खिलाड़ियों को क्यों है यह सब जानते हैं–अभी तो महेंद्र सिंह धोनी भी यहां जमे हुए हैं और खराब प्रदर्शन के बावजूद मैदान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। अपने ही क्यों कई विदेशी खिलाड़ी भी अपने यहां के क्रिकेट से सन्यास लेकर यहां जमे हुए हैं। उनकी तुलना में माही, कोहली, रोहित और अश्विन के जमने का एक और मतलब है–इनको वैसे भी कुछ ज्यादा रकम का कान्ट्रैक्ट है लेकिन इन सबको विज्ञापनों की भारी कमाई भी हो रही है। एक–एक विज्ञापन करने का रेट भी अच्छा है–अभी धोनी भी अच्छे अच्छों को टक्कर दे रहे हैं। सिर्फ क्रिकेटरों को ही नहीं, दूसरे स्टार खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों को भी। ऐसे में इंस्टाग्राम पर 27 करोड़ से ज्यादा और सोशल मीडिया पर लगभग सात करोड़ फालोअर रखने वाले कोहली अगर हर विज्ञापन करने का प्रति वर्ष दस करोड़ रुपए तक लेते हैं तो वह किसी को नहीं अखरता। उनके पास करीब चालीस ब्रांड हैं। माही भी जमाने तक सबसे बड़ा ब्रांड से और उनका रेट सबसे ऊपर था–संभवतरू बाद के दिनों वाले सचिन तेंडुलकर से भी ज्यादा। अब इन खिलाड़ियों को ही नहीं रणजी तक खेलने वाले हर क्रिकेटर को आजकल ठीक ठाक पैसे मिलने लगे हैं– सेंट्रल कान्ट्रैक्ट मिल जाए या आईपीएल की बोली में लाटरी लग जाए तो बल्ले–बल्ले। टेस्ट और वन डे का रेट भी काफी है। दो–चार बार भी श्देश की सेवाश अर्थात देश की टीम में शामिल होने का अवसर मिल जाए तो रिंकू सिंह का ही नहीं किसी भी कमजोर पृष्ठभूमि वाले लड़के का नसीब भी बदल जाता है। माही और बुमराह जैसा लंबा चल गए तो क्या पूछना। सबसे बड़ी बात यह है कि आज साल में जितना क्रिकेट होने लगा है उसमें खिलाड़ी जान की अर्थात शरीर और थकान की परवाह नहीं करके खेलते ही जाते हैं। इंजरी छुपाते हैं और क्रिकेट प्रशासकों पर ऐसे खिलाड़ियों के पूरा फिट होने का इंतजार करने का दबाव रहता है। टीम में चुने जाने की मारामारी जरूर बड़ी है लेकिन कमाई के आगे किसी को भी खिलाड़ी के थकान और स्वास्थ्य की परवाह नहीं है। खुद खिलाड़ियों को भी नहीं है तो बाजार और दर्शक को क्यों होगी। जब साल की कमाई सौ से लेकर दो हजार करोड़ रुपए की होने लगे तो कौन अपना कैरियर लंबा नहीं खींचना चाहेगा। धोनी, कोहली, रोहित और अश्विन ही नहीं काफी सारे विदेशी खिलाड़ी भी अपनी पसंद के अनुसार का फार्मेट छोड़कर दूसरे फार्मेट से सन्यास ले रहे हैं। कहना न होगा कि इसमें सर्वाधिक नुकसान उसे टेस्ट फार्मेट का हो रहा। यही जिसे सभी फार्मेट में श्रेष्ठ और खिलाड़ी की असली प्रतिभा सामने लाना वाला माना जाता है। विराट कोहली जैसे क्रिकेटरों को इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने वन डे क्रिकेट, जिसे कभी पाजामा क्रिकेट भी कहा जाता था, से पिट रहे टेस्ट मैचों में जान लौटाई है। सचिन, धोनी, सौरव, कोहली और पुजारा हमारे ऐसे खिलाड़ी रहे हैं। आज ट्वेंटी ट्वेंटी से वन डे क्रिकेट को ही खतरा है और ट्रेंड देखें तो पाएंगे कि हर फार्मेट छोड़कर खिलाड़ी इसी की तरफ भाग रहे हैं जबकि इस क्रिकेट को घटिया और बॉलिंग का दुश्मन बताया जा रहा है। इसमें भी आईपीएल दुनिया भर के क्रिकेटरों में लोकप्रिय हुआ है क्योंकि उसमें सबसे अधिक दाम मिलता है। दु–प्लेसी, ब्रावो, रसेल, सुनील नारायण समेत दर्जनों ऐसे विदेशी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने देश की टीम को छोड़ दिया है लेकिन आईपीएल को नहीं। और पाकिस्तान के क्रिकेटर यहां मौका न मिलने से सबसे ज्यादा कुढ़ते है। इतना ही नहीं यहां विज्ञापन में भी अनेक विदेशी खिलाड़ी आते हैं और उसी तरह उनका ब्रांड मूल्य भी है जैसा कि देशी खिलाड़ियों का– हालांकि कुल कमाई के मामले में देशी स्टार कहीं आगे हैं। कोहली के साथ सिर्फ टेस्ट कैरियर लंबा खींचने और फिटनेस जैसा सवाल नहीं है। वे सबसे फिट खिलाड़ियों में रहे हैं और यो–यो टेस्ट की अनिवार्यता उनके कप्तान रहते ही बनी। कोहली बाजार का काम करने के साथ अपना बाजार भी बनाने के चक्कर में हैं और उनके मैनेजरों को लगता है कि अगर वे कुछेक साल और चले तथा धूम–धड़ाका करते रहे तो उनके अपने ब्रांड भी जम जाएंगे। फिर वह कमाई टिकाऊ और जीवन भर के लिए हो जाएगी। ऐसा प्रयास सचिन, माही और सौरव गांगुली समेत कई खिलाड़ियों ने किया था लेकिन बहुत छोटे पैमाने पर। किंग कोहली यह काम भी किंग साइज ही चलाते हैं। उन्होंने स्पोर्टसवियर, रेस्तरां, प्लांट आधारित मांसाहारफूड, काफी ब्रांड, स्वास्थ्य और फिटनेस कंपनी, जिम की शृंखला और फैशन का मंच तैयार किया है। पत्नी अनुष्का शर्मा का जुड़ाव तो इनसे है ही, यह भी माना जा रहा है कि उन्होंने आगे इन पर ध्यान केंद्रित करने का मन बनाया है। वे बहुत विज्ञापन की जगह महंगे और कम विज्ञापन करना चाहते हैं। पुमा कंपनी से करार उन्होंने अपने ब्रांड स्थापित करने के लिए किए हैं।

मोदी का मध्यावधि स्वप्न भंग हो गया!

अनिल जैन

प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेन्द्र मोदी ने कहा था, मैं गुजराती हूं, व्यापार मेरे खून में है। फिर प्रधानमंत्री बनने के बाद कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने एक और मुहावरा उछाला–आपदा में अवसर! मोदीजी द्वारा उछाले गए ये दो मुहावरे उनके द्वारा अब तक उछाले गए तमाम मुहावरों में सर्वाधिक अश्लील मुहावरे साबित हुए हैं। फिर भी नरेन्द्र मोदी के लिए तो मानो ये दोनों मुहावरे उनकी राजनीतिक सफलता के मूल मंत्र बन गए हैं। देश के समक्ष पैदा हुए हर अप्रिय से अप्रिय प्रसंग को उन्होंने अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करने में और अपने कारोबारी मित्रों को उसका फायदा दिलाने में कतई संकोच नहीं किया। चाहे वह पुलवामा में हुआ भीषण आतंकवादी हमला हो या लाखों लोगों को मौत की नींद सुला देने वाली कोरोना महामारी हो, या फिर उनके खुद की ही आहूत की गई नोटबंदी जैसी त्रासदी हो। अभी जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी मोदी यही करते दिखे हैं और कोई वजह नहीं कि वे आगे भी ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने हमले में हुई 26 पर्यटकों की निर्मम हत्या को आपदा में अवसर की तरह ही देखा। हमले के बाद शुरू दिन से लेकर आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तक और फिर अमेरिकी दबाव में अचानक युद्धविराम पर राजी होने और फिर राष्ट्र को संबोधित करने तक मोदी प्रधानमंत्री की तरह नहीं बल्कि एक पार्टी के नेता के तौर पर ही देश के समक्ष पेश आए। पहलगाम हमले के बाद से लेकर पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य टकराव तक कांग्रेस समेत समूचा विपक्ष सरकार के हर फैसले मे उसके साथ खड़ा था। ऐसा लंबे समय बाद हो रहा था जब सरकार की किसी भी कार्रवाई पर, यहां तक कि सरकार की चूक पर भी किसी विपक्षी पार्टी ने कोई सवाल नहीं किया। सरकार के साथ विपक्ष की ऐसी एकजुटता उस समय भी कभी नहीं देखी गई जब भाजपा विपक्ष में थी। इसके बावजूद सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा का रवैया विपक्ष को लेकर जरा भी सद्भाव वाला नहीं रहा। खुद मोदी विपक्ष के सहयोगात्मक रवैये के प्रति गंभीरता और सकारात्मकता न दिखाते हुए उसके प्रति हिकारत और अहंकार भरा व्यवहार करते रहे। पहलगाम हमले के बाद सरकार की ओर से दो बार सर्वदलीय बैठक बुलाई गई लेकिन प्रधानमंत्री मोदी दोनों बैठकों में शामिल नहीं हुए। पहली बैठक हमले के बाद बुलाई गई थी लेकिन मोदी उस बैठक में शामिल न होते हुए बिहार में अपनी पार्टी की रैली को संबोधित करने चले गए। कहा गया कि वे बिहार की धरती से पाकिस्तान और आतंकवादियों को चेतावनी देंगे। सवाल है कि हमला कश्मीर में हुआ तो बिहार जाकर पाकिस्तान को चेतावनी देने का क्या मतलब था? बेहतर तो यह होता कि प्रधानमंत्री श्रीनगर जाते वहां से पाकिस्तान को चेतावनी देते। चूंकि बिहार में पांच महीने बाद विधानसभा के चुनाव होने हैं, इसलिए मोदी ने आपदा को अवसर बनाते हुए बिहार जाना उचित समझा। बिहार में रैली करने के बाद भी प्रधानमंत्री ने सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष या लोकसभा में नेता विपक्ष से मिलना और बात करना उचित नहीं समझा, जबकि इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुप्रीमो मोहन भागवत से जरूर मुलाकात की और अपनी पार्टी के नेताओं से भी लगातार मिलते रहे। आतंकवादियों के ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई करने का फैसला करने के बाद भी इस बारे में उन्होंने विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया। सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री उसमें भी शामिल नहीं हुए, जबकि वे राजधानी में ही मौजूद थे। जिस समय सर्वदलीय बैठक चल रही थी, ठीक उसी समय प्रधानमंत्री एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में शिरकत करते हुए उस चैनल की महिला एंकरों के साथ फोटो सेशन करने में व्यस्त थे। इतना सब होने के बावजूद विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री या सरकार से कोई सवाल नहीं किया जा रहा था। इस नाजुक मौके पर भी विपक्ष से संवाद करना मोदी अपनी शान के खिलाफ समझ रहे थे। प्रधानमंत्री का यह रवैया उनकी पार्टी के प्रवक्ताओं को एक तरह का इशारा था, जिसके मुताबिक टीवी चौनलों की बहस में भाजपा के प्रवक्ता रोजाना विपक्षी नेताओं को गद्दार, देशद्रोही और पाकिस्तान व आतंकवादियों का हमदर्द बता रहे थे। यही काम सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर भाजपा का ईको सिस्टम कर रहा था। यह ईको सिस्टम सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं, बल्कि देश भर के मुसलमानों को भी गद्दार बताते हुए उनके आर्थिक बहिष्कार की अपील कर रहा था। इस सबके बावजूद किसी को कोई संशय या संदेह नहीं रहे, इसके लिए टीवी के सरकारी चौनल डीडी न्यूज पर तो बाकायदा विपक्षी नेताओं के फोटो के साथ लिखा जा रहा था, भारत है तैयार लेकिन घर में कितने गद्दार। इतना सब होने के बाद कहीं से भी संदेह की गुंजाइश नहीं रह जाती कि प्रधानमंत्री इस आपदा को अपनी पार्टी के लिए एक बड़े राजनीतिक अवसर के तौर पर देख रहे थे। उनके सामने पांच महीने बाद बिहार और नौ महीने बाद पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हैं। प्रधानमंत्री का इरादा संभवतः पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के जरिये देश में उन्मादी और राष्ट्रवादी माहौल तैयार कर लोकसभा के मध्यावधि चुनाव कराने का था, ताकि पिछले चुनाव में 400 सीटें पाने की अधूरी रह गई हसरत को पूरा किया जा सके। यह दांव मोदी 2019 के चुनाव में आजमा चुके थे और कामयाब भी रहे थे।

मुक्तक

रण की भेरी बजी जोर से, तब मानव घबराया।
यह विमान घातक है काफी, देख किधर से आया?
आग बरसती नभ से कितनी, किसने मौत बुलाई,
काले बादल जैसा नभ में, धुआँ बहुत है छाया।।

नींद नहीं आती है उनको, करते रहे लड़ाई।
खूब खून चोरी से करते, देने लगे दुहाई।
सुर बदला जब भारत माँ ने, छक्के छूट रहे हैं,
लेकर युद्ध पोत जब हमने, कर दी आज चढ़ाई।।

छद्म वेश में आते थे वे, बहने लगा पसीना।
खून खून करते थे प्रतिदिन, चीर रहे थे सीना।
ताक धिना धिन हमने कर दी, भूखे प्यासे मरते,
धर्म जाति का खेल खत्म अब, पड़े जहर भी पीना।।

हिन्दू–मुस्लिम खेल रहे थे, पाकिस्तानी आका।
अपने घर को नहीं देखते, जहाँ पड़ा था फाका।
गिल्ली डंडा जंग नहीं है, कहकर उन्हें बताया,
तोप लगा दी घर पर उनके, बंद कर दिया नाका।।

बम–बम भोले बाबा कहते, खप्पर लेकर काली।
भीख माँगने वाला आया, लेकर अपनी थाली।
युद्ध माँगता था वह नित प्रति, भारत घूम गया है,
तार तार मर्यादा होती, जो थी बिल्कुल जाली।।

जाग उठा अब हिन्दुस्तानी, कुछ तो कर जाएगा।
चौवन वर्षों का फिर बदला, लेकर के आएगा।
गुफा ढूँढते गोह ढूँढते, पाक हुआ नापाकी,
राफेलों की जंग चलेगी, रह रह पछताएगा।।

पंडित राकेश मालवीय मुस्कान
प्रयागराज–16

दो दिन में दो भाषण, फिर भी कुछ साफ नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रात आठ बजे राष्ट्र को संबोधित किया। वीर रस से सराबोर इस संबोधन में कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर नए सवाल खड़े हो गए। इन सवालों को विपक्ष ने पूछना शुरु किया ही था कि मंगलवार को सुबह पहले नरेन्द्र मोदी अचानक पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंच गए और फिर दोपहर तक उनका एक और वीर रस में पगा हुआ भाषण सामने आ गया। शनिवार रात शाहबाज शरीफ ने भी इसी तरह का भाषण पाकिस्तान के लोगों को सुनाया था। इन भाषणों को सुनकर न जाने क्यों चाबी वाले खिलौनों का ख्याल आता है, जिसमें चाबी भर दो तो वह तब तक चलता रहता है, जब तक चाबी पूरी तरह से उल्टी न घूम जाए। चाबी भरने वाले हाथ दिखाई नहीं देते, केवल खिलौने चलते दिखते हैं। खैर..मंगलवार सैनिकों के बीच पहुंचकर श्री मोदी ने अच्छा ही किया। जो लोग जान हथेली पर लेकर देश की रक्षा करते हैं, उनका हौसला बढ़ाने के लिए जो किया जाए, सो कम है। आदमपुर एयरबेस से जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें अनकहा संदेश भी पाकिस्तान के लिए था। इनमें मोदी के साथ पार्श्व में मिग–29 और एस–400 भी दिखाई दिए। जबकि पाकिस्तान का दावा था कि उसने आदमपुर में एस–400 वायुरक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया है। यहां सैनिकों को संबोधित करते हुए भी श्री मोदी ने पाकिस्तान को कहा कि निर्दोषों का खून बहाने का एक ही अंजाम है, महाविनाश। अभी सैन्य कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है, फिर से दुस्साहस किया तो मुंहतोड़ जवाब देंगे। कुछ ऐसी ही बात सोमवार के संबोधन में भी थी। तब श्री मोदी ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत का सैन्य ऑपरेशन अभी सिर्फ स्थगित हुआ है. आने वाले दिनों में पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापा जाएगा कि वो क्या रवैया अपनाता है। अब सवाल उठता है कि अगर अब भी वार–प्रतिवार की आशंका है, तो फिर युद्धविराम की बात कहां से आई, क्यों श्री मोदी इसका खुलकर खंडन नहीं कर रहे हैं। क्या ये समय शाब्दिक जाल फैलाने का है कि सैन्य आपरेशन अभी स्थगित हुआ है। इसका क्या मतलब है, प्रधानमंत्री साफ–साफ बतलाएं कि अभी हम युद्ध में हैं या नहीं हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम या उसके दुस्साहस का इंतजार क्यों कर रहे हैं। क्या पहलगाम के बाद भी हमारे जो जवान शहीद हुए, बेकसूर नागरिक मारे गए, उनकी जान की कोई कीमत नहीं है। अगर पाकिस्तान की तरफ से भी युद्धविराम की घोषणा के बाद हमारे सीमांत इलाकों में ड्रोन मंडराते हुए देखे गए हैं, तो क्या इसे पाकिस्तान का दुस्साहस ही नहीं समझा जाना चाहिए। इस संकट की घड़ी में भी अगर प्रधानमंत्री साफगोई से सारी बातें नहीं करेंगे, तो फिर कब करेंगे। जब नोटबंदी या लॉकडाउन का ऐलान किया गया था, तब भी कई गोल–मोल बातें और दावे सरकार ने किए थे। उन पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए लेकिन किसी का जवाब देना जरूरी नहीं समझा गया। चलिए वो देश के आंतरिक मामले थे और जनता ने कुछ अच्छा होने की उम्मीद में तब के कष्टों को सहन कर लिया। लेकिन इस बार तो आम जनता की सुरक्षा और देश की प्रतिष्ठा दोनों दांव पर लगी है। अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के संदर्भ में मनमाने बयान दे रहे हैं। युद्ध विराम के ऐलान के बाद नए बयान में डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि दोनों देशों ने अमेरिका के साथ व्यापार की वजह से ये संघर्ष विराम किया है। पाकिस्तान अपनी जाने कि उसने किस दबाव में संघर्ष विराम मंजूर किया, लेकिन भारत इसके लिए राजी क्यों हुआ, ये बात नरेन्द्र मोदी को अपने संबोधन में बतानी चाहिए थी। क्या ट्रंप अब भारत के आधिकारिक प्रवक्ता हो गए हैं कि वो जो बयान देंगे, दुनिया उसे भारत का बयान मानेगी, क्योंकि ट्रंप की किसी बात को अब तक श्री मोदी ने या उनकी सरकार ने खारिज नहीं किया है। सोमवार के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने एक गंभीर बात कही कि श्भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। परमाणु ब्लैकमेल के तहत चलने वाले आतंकी ढांचे भारत के निशाने पर होंगे।श ध्यान रहे कि ब्लैकमेल एक गंभीर शब्द और बड़ा आरोप है, खासकर अंतरराष्ट्रीय संबंधों में। श्री मोदी क्या यह कहने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत को आणविक युद्ध की धमकी देकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई, ये कोशिश पाकिस्तान की तरफ से हुई या चीन या अमेरिका की तरफ से, देश को यह बताना चाहिए। क्या एकदम से युद्धविराम के लिए सहमत होने के पीछे ब्लैकमेल की कोई बात थी। अगर ऐसा है तो कम से कम विपक्ष को इस बारे में सूचित किया जाना था। जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई जा सकती थी तो शनिवार से लेकर अब तक सर्वदलीय बैठक क्यों नहीं बुलाई गई। सभी दलों को नहीं बुलाना तो कम से कम दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्षों के साथ प्रधानमंत्री को बैठक करनी चाहिए थी ताकि इस तथाकथित ब्लैकमेलिंग का जवाब दिया जाए। पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर, युद्धविराम और राष्ट्र के नाम संबोधन तक के पूरे घटनाक्रम में कई सारे सवाल हैं जिन पर प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। सोमवार को प्रधानमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमला मेरे लिए व्यक्तिगत दर्द था। देश का मुखिया होने के नाते वे ऐसा कह सकते हैं लेकिन याद रखें कि पहलगाम के 26 पीड़ितों से लेकर उसके बाद पाकिस्तान की तरफ से किए गए हमलों में मारे गए लोगों के परिवार असल में व्यक्तिगत दुख झेल रहे हैं। यह वक्त उनके दुखों को कम करने का है, राजनीति में अपने अंक बढ़ाने का नहीं।

वीजा रिजेक्ट होने के कारण कान्स में शिरकत नहीं कर पाएंगी उर्फी, निराशा होकर बोलीं- मैं कुछ क्रेजी आउटफिट पर काम कर रही थी..

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस उर्फी जावेद के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंकाएंगी। लेकिन अफसोस की बात है कि उर्फी इस इवेंट में शामिल नहीं हो पाएंगी। जी हां, उर्फी ने खुद इस बात की जानकारी अपने फैंस को दी है कि वह वीजा रिजेक्ट होने के कारण वह कान्स में शिरकत नहीं कर पाएंगी। उर्फी जावेद ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, मैंने सोशल मीडिया पर कुछ भी अपलोड नहीं किया और कहीं नजर भी नहीं आई क्योंकि मैं एक दौर से गुजर रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चला। मैंने कई और चीजें ट्राई कीं, लेकिन वहां भी रिजेक्शन ही मिला। मुझे कान्स जाने का मौका भी मिला था (बड़ा–बड़ा शुक्रिया दीपा खोसला और क्षितिज कंकारिया का) लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और मेरा वीजा रिजेक्ट हो गया। कुछ क्रेजी आउटफिट आइडियाज पर काम कर रही थी। मेरी टीम और मैं बहुत निराश हो गए। उर्फी ने हालांकि इस निराशा के बावजूद इस रिजेक्शन को प्रेरणा में बदल दिया और अपने फॉलोअर्स से भी आग्रह किया कि वे भी अपनी रिजेक्शन स्टोरीज साझा करें जिससे एक–दूसरे को प्रेरित किया जा सके। उन्होंने लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग भी रिजेक्शन का सामना कर रहे होंगे और मैं आपकी कहानियां जानना चाहती हूं। चलो एक–दूसरे का सपोर्ट करें और हौसला बढ़ाएं। रिजेक्शन दुनिया का अंत नहीं होता। ये तो और मेहनत करने की प्रेरणा देनी चाहिए। कृपया रुरिजेक्टेड हैशटैग का इस्तेमाल करके अपनी स्टोरीज शेयर करें और मुझे टैग करें। मैं इन्हें अपनी स्टोरीज में शेयर करूंगी जिससे दूसरों को भी प्रेरणा मिले। रिजेक्शन के बाद दुखी होना और रोना आम बात है। मैं भी रोती हूं। लेकिन उसके बाद क्या? हर रिजेक्शन में एक मौका छिपा होता है, बस ध्यान से देखो। जिंदगी में इतने रिजेक्शन के बाद भी मैं नहीं रुकी, और आपको भी नहीं रुकना चाहिए। उर्फी ने अपने पोस्ट को कैप्शन देते हुए लिखा, रिजेक्शन आपको परिभाषित नहीं करता, बल्कि आप उस सिचुएशन से क्या बनाते हो, वो करता है। चलिए अपनी रिजेक्शन स्टोरीज शेयर करें और दूसरों को इंस्पायर करें। रुरिजेक्टेड हैशटैग का इस्तेमाल करें और मुझे टैग करें। बात करें इस बारे में!

मालिक और तेहरान के साथ मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का जन्मदिन बना उनके करियर में एक रोमांचक अध्याय की शुरुआत

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर आज अपना जन्मदिन मना रही हैं, मानुषी छिल्लर अपने बॉलीवुड करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं, जिसे श्उनका अब तक का सबसे परिवर्तनकारी वर्षश कहा जा सकता है। रिलीज के लिए पाइपलाइन में दो प्रमुख फिल्में हैं, मालिक, एक गैंगस्टर ड्रामा, जिसमें वह राजकुमार राव के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी, और तेहरान, एक जियो–पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आएंगी, मानुषी के प्रशंसक मिस वर्ल्ड को फिर से एक्शन में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इन दोनों फिल्मों में मानुषी बिल्कुल नए और अनदेखे अवतारों में नजर आएंगी, जो दर्शकों की सोच को चुनौती देने के साथ–साथ उनकी अभिनय क्षमता और बहुआयामी प्रतिभा को सामने लाएंगी। 2025 में मानुषी की पहली फिल्म मालिक की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, सूत्रों ने पुष्टि की है कि उनकी ऑन–स्क्रीन उपस्थिति प्रशंसकों द्वारा पहले देखी गई किसी भी किरदार से नाटकीय रूप से अलग होगी, जिसने फिल्म के लिए उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। फिल्म की टीम ने मानुषी के लुक को लीक होने से बचाने के लिए खास इंतजाम किए हैं। मालिक के इर्द–गिर्द चर्चा में योगदान देने वाला एक और कारक राजकुमार के साथ उनकी नई जोड़ी है। पुलकित द्वारा निर्देशित और कुमार तौरानी और जय शेवक्रमणी द्वारा निर्मित, मालिक 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं दूसरी फिल्म तेहरान में भी मानुषी का एक बेहद अलग और दमदार रूप सामने आएगा। इस जियो–पॉलिटिकल थ्रिलर में वह जॉन अब्राहम के साथ एक्शन से भरपूर भूमिका में दिखेंगी। इस किरदार के लिए उन्होंने क्रॉप्ड वेवी हेयर और हथियारों के साथ शूट किए गए सीन जैसे लुक्स अपनाए हैंकृजो उनके पारंपरिक ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल विपरीत है। दिनेश विजन के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के तहत बन रही यह फिल्म भी 2025 में रिलीज होगी और यह साफ संकेत देती है कि मानुषी अब अपनी सुंदरता से आगे निकलकर गंभीर, चुनौतीपूर्ण और किरदार–प्रधान भूमिकाओं की ओर बढ़ रही हैं।

द रॉयल्स के लिए भूमि पेडनेकर ही थी मेरी पहली पसंद : निर्देशक प्रियंका घोष

ईशान खट्टर और भूमि पेडनेकर की सीरीज द रॉयल्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज में शामिल सभी कलाकारों के किरदार लोगों को खुद से जोड़ पाने में सफल रहे हैं। भूमि हर बार की तरह इस बार भी अपने किरदार से दर्शकों के दिलों में उतर गईं। एक्ट्रेस को सीरीज में कास्ट करने के बारे में निर्देशक प्रियंका घोष ने खुलकर बात की और उन्हें चुनने के पीछे अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि इस सीरीज के लिए उनकी पहली पसंद भूमि पेडनेकर ही थीं। सीरीज में भूमि पेडनेकर ने सोफिया शेखर का किरदार निभाया है, जो एक महत्वाकांक्षी लड़की है और अपनी कंपनी रॉयल और बीबी को टॉप पोजीशन पर पहुंचाने के लिए एड़ी से चोटी का दम लगाती है। प्रियंका ने कहा, सोफिया के किरदार को जल्दबाजी और तुरंत फैसले लेने की आदत है। मेरे लिए इस किरदार के लिए भूमि ही सही एक्ट्रेस थीं। मुझे भरोसा था कि वह इस स्वभाव को इस तरह निभा सकती हैं, जो ज्यादा जोरदार या नकारात्मक लगने के बजाय बल्कि स्क्रीन पर स्वाभाविक और समझदारी भरा लगे। भारत में अक्सर सशक्त और अधिकार जताने वाली महिलाओं को लोग आसानी से स्वीकार नहीं करते, यह एक सामाजिक सच्चाई है। भूमि के अंदर कोमलता और संवेदनशीलता है, जिससे वह इस किरदार को संतुलन दे सकती हैं। सोफिया में कई कमियां हैं, पर भूमि ही ऐसी हैं जो इस तरह के किरदार को भी दर्शकों के लिए पसंदीदा बना सकती हैं। इस सीरीज में दिग्गज अभिनेत्री जीनत अमान, साक्षी तंवर, विहान समत, काव्या त्रेहान, चंकी पांडे, नोरा फतेही, उदित अरोड़ा, लीसा मिश्रा, सुमुखि सुरेश और डिनो मोरिया भी शामिल हैं। सीरीज में डिनो की कॉमिक टाइमिंग और बेहतरीन डायलॉग डिलीवरी है, जो कहानी में ताजगी का तड़का लगाने का काम करती है। अपने रोल को लेकर डिनो मोरिया ने कहा है कि वे शो के किरदार में अपने आप की ही झलक दिखा रहे थे। डिनो मोरिया ने अपने किरदार के बारे में जानकारी दी और बताया कि उन्हें एक सनकी किरदार सलाहुद्दीन को निभाने में बहुत मजा आया। यह किरदार मेरी असली जिंदगी के स्वभाव से काफी मिलता–जुलता है। उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक मजेदार सफर रहा। शूटिंग के दौरान मैंने खूब मजे किए, हंसी–मजाक किया और सेट पर समय का आनंद लिया। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे यह अवसर देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं कैमरे के सामने खुद को पेश कर रहा था। अपनी किरदार के जैसा मैं असल जिंदगी में हूं, मुझे यह काफी पसंद आया। यह मजेदार और खुशमिजाज था।

मां निर्मल कपूर की 13वीं पर बोनी कपूर ने बयां किया दिल का दर्द, बोले वो आवाज से बता देती थीं...

बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने–माने निर्माता बोनी कपूर के सिर से 2 मई के दिन मां निर्मल कपूर का साया उठ गया। 90 की उम्र में निर्मल कपूर ने दुनिया से विदा ले ली। बोनी कपूर, अनिल कपूर की मां काफी समय से बीमार चल रही थीं, जिस कारण उनका इलाज चल रहा था। उम्र की वजह से निर्मल कपूर बीमारी से जंग हार गईं और परिवार को पीछे छोड़कर चल बसी। निर्मल कपूर की मृत्यु के बाद कपूर खानदान में एक खालीपन पैदा हो गया है जो सालों तक कोई नहीं भर पाएगा। वहीं अब मां की तेरवीं पर बोनी कपूर नेसोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि उन्होंने केवल मां नहीं खोई है बल्कि वो इंसान भी को दिया है, जो उनकी आवाज सुनकर बता देता था कि दिन कैसा गया है? बोनी कपूर ने लिखा–आज मेरी मां को गुजरे 13 दिन हो गए हैं। आज हम अपनी मां को याद कर रहे हैं और उनके व्यक्तित्व को कुछ शब्दों में बयां कर रहे हैं। जब आप अपनी मां को खोते हैं तो सबकुछ बदल जाता है। आप केवल पैरेंट को नहीं खोते हैं बल्कि उस इंसान को खो देते हैं, जिसके सामने आप फिर से बच्चे बन जाते थे। वो इंसान जो दुनिया के सामने सख्त रहता था लेकिन आपके लिए सॉफ्ट हो जाता था। वो आपकी सारी फीलिंग्स सुनता था। वो इंसान जो खुद से भी पहले आपको रखता था, जिसकी समझ आपको बड़े होकर आती है। मां के जाने के बाद घर में सूनापन पैदा हो जाता है क्योंकि अब कोई कॉल करके ये नहीं पूछेगा कि तुमने खाना खाया या नहीं? उन्होंने आगे लिखा–मां के जाने के बाद उसकी जगह कोई नहीं भर सकता है। काश मैंने उनके साथ ज्यादा वक्त बिताया होता... उन्हें थोड़ा और शुक्रिया कहा होता। मां के जाने के बाद आप कुछ नहीं कर सकते हैं। एक काम जो आपके हाथ में है, वो ये कि आप उन्हें अपने कामों से गर्व महसूस करवा सकते हैं।

नागा चौतन्य का आमिर खान स्टारर सितारे जमीन पर के ट्रेलर पर आया प्यार भरा रिएक्शन

> साउथ के एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर सितारे जमीन पर के ट्रेलर की तारीफ की। उन्होंने लिखा ये शानदार लग रहा है आमिर सर... दिल छू लेने वाला। पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं।

आमिर खान की श्सितारे जमीन परश का ट्रेलर अभी कल ही आया है और आते ही इसने दिल जीतना शुरू कर दिया है। हंसी, मस्ती और ढेर सारे प्यार से भरी ये फिल्म की झलक देखकर लग रहा है कि ये एक मजेदार कहानी लेकर आ रही है। 2007 की सुपरहिट 'तारे जमीन पर' का स्पिरिचुअल सीक्वल मानी जा रही ये फिल्म दर्शकों में जबरदस्त एक्साइटमेंट बढ़ा रही है, और ट्रेलर ने तो इस जोश को और भी बढ़ा दिया है। जहां ट्रेलर को हर तरफ से जबरदस्त रिव्यू मिल रहे हैं, वहीं एक्टर नागा चौतन्य भी इससे खासा इम्प्रेस हुए हैं। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए फिल्म के लिए एक्साइटमेंट जाहिर की है। साउथ के एक्टर ने अपने सोशल मीडिया पर सितारे जमीन पर के ट्रेलर की तारीफ की। उन्होंने लिखा ये शानदार लग रहा है आमिर सर... दिल छू लेने वाला। पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा, आमिर खान प्रोडक्शंस 10 नए एक्टर्स को लॉन्च कर रहा है, जिनमें आरुष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन आर. एस. प्रसन्ना ने किया है, जिन्होंने इससे पहले ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान का निर्देशन किया था। इस बार वे आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर लेकर आ रहे हैं, जिसमें खुद आमिर खान लीड रोल में नजर आएंगे। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर–एहसान–लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गर्मी में शरीर को हेल्दी और हाइड्रेटेड रखने के लिए जरूर करें इन 3 ड्रिंक्स का सेवन

गर्मियों में सिर्फ पानी ही काफी नहीं होता, शरीर को ऊर्जा और इलेक्ट्रोलाइट्स की भी जरूरत होती है, जो पसीने के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। इससे थकान, चक्कर आना या डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आप तीन ऐसी ड्रिंक्स का सेवन कर सकते हैं जो गर्मियों में शरीर के लिए बेहद फायदेमंद हैं।

गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। खासकर उन लोगों के लिए जो दिनभर एक्टिव रहते हैं, फिर चाहे ऑनलाइन हो या फिर चलते–फिरते। गर्मियों में सिर्फ पानी ही काफी नहीं होता, शरीर को ऊर्जा और इलेक्ट्रोलाइट्स की भी जरूरत होती है, जो पसीने के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। इससे थकान, चक्कर आना या डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आज हम आपको तीन ऐसे कूल और हेल्दी ड्रिंक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो न सिर्फ आपको तरोताजा रखेंगे, बल्कि आपके गर्मियों के दिनों को भी सुपरचार्ज कर देंगे।

डाइटिशियन श्वेता जे पंचाल ने तीन ऐसी ड्रिंक्स के बारे में बताया है, जो गर्मी से राहत दिलाने के लिए बेहतरीन हैं।

आम पन्ना : उन्होंने आम पन्ना की तारीफ करते हुए कहा कि यह पसीने से खोए तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट्स को फिर से भरने में मदद करता है और विटामिन सी से भरपूर होता है। श्वेता ने आगे कहा कि आम पन्ना पाचन स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है और इसमें काला नमक और जीरा पाउडर मिलाने से इसका स्वाद और बढ़ जाता है। यह विटामिन सी का भी एक बेहतरीन स्रोत है, जो गर्मियों में शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

बेल का जूस : श्वेता ने बताया कि बेल फल, जिसे वुड एप्पल भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका जूस पाचन में सुधार करने और गर्मी से संबंधित समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित होता है। बेल फल के जूस का सेवन करने से आप गर्मियों में अपने स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं।

फालसा जूस : श्वेता ने बताया कि फालसा या भारतीय ब्लैकबेरी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और इसका जूस शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि फालसा जूस एंटीऑक्सीडेंट का एक बेहतरीन स्रोत है और इसका सेवन करने से आप अपने स्वास्थ्य को लाभ पहुंचा सकते हैं। श्वेता ने सलाह दी कि जूस को ज्यादा न छानें ताकि इसके पोषक तत्वों का पूरा लाभ मिल सके।

श्वेता ने अपने कैप्शन में इन जूस के सेवन के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि बेल के जूस में कोई चीनी या स्वीटनर नहीं डालना चाहिए। आम पन्ना में चीनी या गुड़ मिलाने से इसका असर उलट हो सकता है और शरीर निर्जलित हो सकता है। फालसा जूस को ज्यादा नहीं छानना चाहिए ताकि इसके फाइबर का लाभ मिल सके और इसमें कोई स्वीटनर नहीं डालना चाहिए। इन सुझावों का पालन करके आप इन जूस का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

गोवा घूमने का बना रहे प्लान तो जरूर एक्सप्लोर करें पांडवों की गुफा, ऐसे पहुंचे यहां

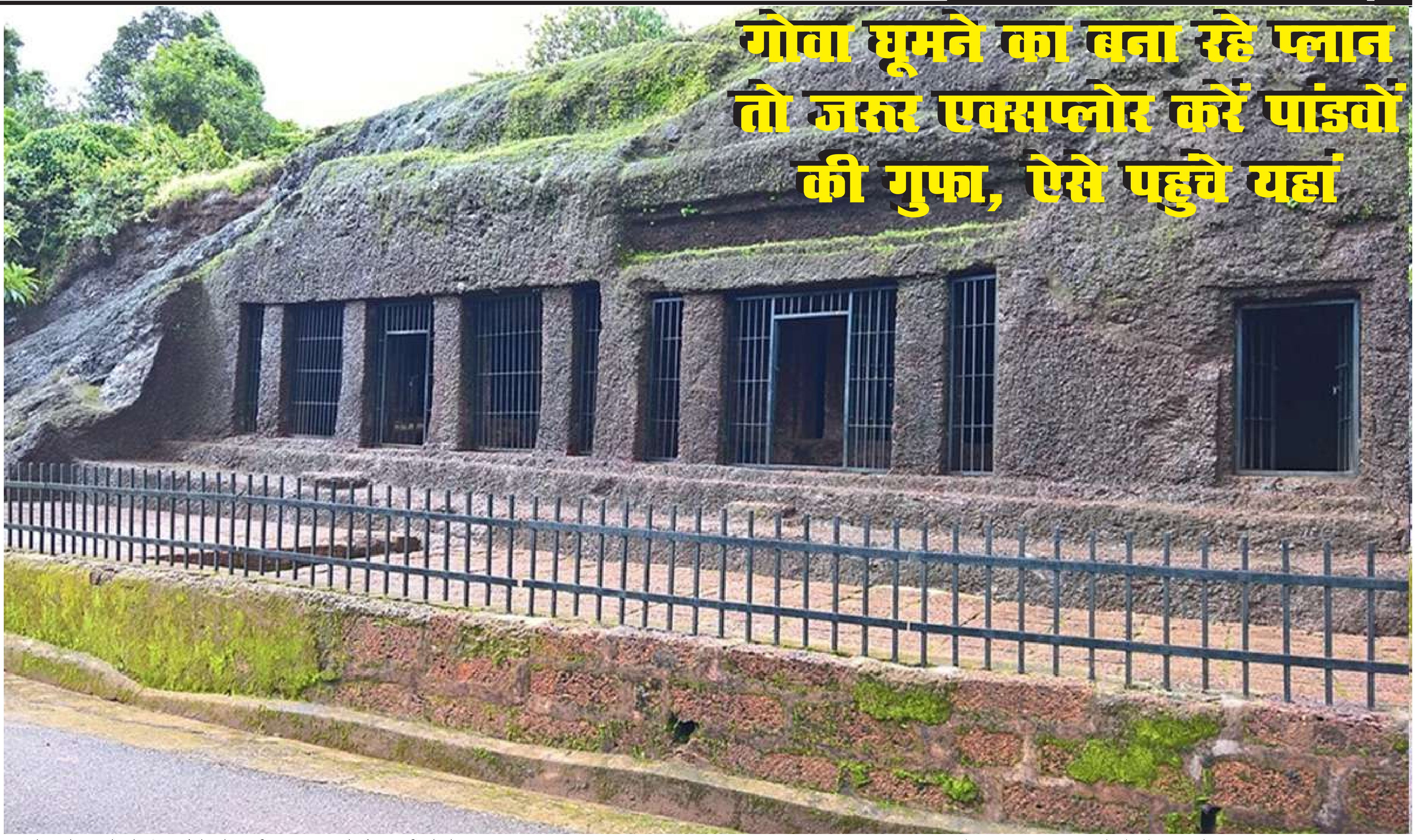

सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पाटह्रज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

गोवा में घूमने के लिए वैसे तो कई अच्छी जगहें हैं। कई लोगों को लगता है कि गोवा सिर्फ अपने खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। गोवा अपने सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक आकर्षणों के लिए भी फेमस है। गोवा को बीच के नाम से इसलिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां के समुद्र तट काफी फेमस है। साथ ही यहां की नाइटलाइफ भी काफी ज्यादा फेमस है। अक्सर गोवा को बीच डेस्टिनेशन के रूप में प्रमोट किया जाता है। वहीं सोशल मीडिया, फिल्मों और ट्रैवल एजेंसियों के प्रचार में अधिकतर पार्टीज, बीच और वाटर स्पोर्ट्स को दिखाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोवा की अरवलम गुफाओं के बारे में बताने जा रहे हैं।

अरवलम गुफा

बताया जाता है कि अवरलम गुफा महाभारत में पांडवों के वनवास के दौरान रुकने का स्थान था। यही वजह है कि इस गुफा को पांडव गुफा भी कहा जाता है। इन गुफाओं की वास्तुकला हिंदू और बौद्ध प्रभाव से जुड़ी हुई लगेंगी। यह गुफा अवरलम झरने की तरफ जाने वाले रास्ते में पड़ती है। यह गोवा में घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

लोकेशन

गोवा के नॉर्थ गोवा में संकेलिम के पास स्थित है। पणजी से यह गुफा करीब 29 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में करीब 40 मिनट का समय लग सकता है। अरवलम गुफा से कुछ दूरी पर अवरलम झरना और रुद्रेश्वर मंदिर भी है। आप यहां के नजारे भी देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे अरवलम गुफा

अगर आप थिविम रेलवे स्टेशन से आ रहे हैं, तो यह करीब 20 किमी की दूरी पर है। यहां पर पहुंचने में आपको करीब 30 मिनट का समय लग सकता है।

अरवलम गुफा से गोवा का नजदीकी डाबोलिम एयरपोर्ट से लगभग 45 किमी है। आप गोवा में कही भी जाने के लिए कैब बुक कर सकते हैं। आपको मापसा या पणजी से कैब और बस मिल जाएगी। आप चाहें तो बाइक रेंट पर लेकर घूम सकते हैं।

गुब्बारे जैसा पेट हो जाएगा सपाट, बस रोजाना खाएं ये छोटा काला बीज

क्या आपका पेट थोड़ी सी भी चीज खाने के बाद गुब्बारे की तरह फूल जाता है? ऑफिस में बैठे–बैठे, टीवी देखते समय या चाय के साथ स्नैक लेते वक्त पेट में भारीपन, गैस और सूजन होने लगती है? अगर हां, तो आपके लिए एक बेहद आसान, घरेलू और सस्ता उपाय है कृ काला तिल यानी ब्लैक सीड। ये छोटा सा बीज दिखने में तो मामूली लगता है, लेकिन इसके फायदे इतने जबरदस्त हैं कि बिना किसी एक्सरसाइज और सप्लीमेंट के भी आपका पेट धीरे–धीरे सपाट हो सकता है।

पेट की चर्बी कैसे घटाता है काला तिल?

डाइजेशन को बेहतर बनाता है

काले तिल में घुलनशील के फाइबर मौजूद होते हैं, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में बेहद सहायक होते हैं। जब आप इसे रोजाना खाते हैं, तो यह आंतों की सफाई करने में मदद करता है और मल को आसानी से बाहर निकालने में सहायक होता है। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है और पेट हमेशा हल्का महसूस होता है। गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए काले तिल का सेवन एक सरल और असरदार उपाय है।

मेटाबॉलिज्म को तेज करता है

काले तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स जैसे ओमेगा–6 फैटी एसिड्स, शरीर की चयापचय प्रक्रिया को तेज करते हैं। जब मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, तो शरीर अधिक ऊर्जा जलाता है और जमा चर्बी को तेजी से उपयोग में लाता है। यही कारण है कि काले तिल का सेवन पेट की चर्बी घटाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बेहद कारगर हो सकता है जो ज्यादा फिजिकल एक्टिव नहीं हैं लेकिन फिर भी वजन घटाना चाहते हैं।

डिटॉक्स में मददगार

काला तिल एक नेचुरल डिटॉक्स एजेंट की तरह काम करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। जब शरीर के अंदर जमा गंदगी साफ होती है, तो त्वचा निखरती है, पेट अंदर जाता है और शरीर अधिक एनर्जेटिक महसूस करता है। डेली डाइट में काला तिल शामिल करने से लीवर भी बेहतर तरीके से काम करता है।

सूजन और गैस से राहत

जो लोग अक्सर पेट फूलने, भारीपन और गैस की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए काला तिल एक रामबाण इलाज साबित हो सकता है। इसके सेवन से पेट की आंतों में बनने वाली अतिरिक्त गैस कम होती है और सूजन से राहत मिलती है। साथ ही, यह आपके पेट को अंदर से ठंडक देने का भी काम करता है, जिससे खाना अच्छे से पचता है और भारीपन नहीं होता।

काले तिल का सेवन कैसे करें?

खाली पेट खाएं भुना हुआ तिलः सुबह उठते ही 1 छोटा चम्मच भुना हुआ काला तिल चबाकर खाएं और उसके ऊपर थोड़ा गुनगुना पानी पी लें। इससे पाचन क्रिया एक्टिव होती है और दिनभर पेट हल्का महसूस होता है।

तिल का पानी पिएंः रात में 1 चम्मच काले तिल को आधा गिलास पानी में भिगो दें। सुबह उठकर इस पानी को छान लें और खाली पेट पी जाएं। ये तरीका शरीर को डिटॉक्स करता है और ब्लोटिंग को दूर करता है।

शहद के साथ सेवन करेंः 1 चम्मच काले तिल को पीसकर उसमें आधा चम्मच शुद्ध शहद मिलाएं और सुबह नाश्ते से पहले खाएं। इससे पाचन शक्ति बढ़ती है और पेट की चर्बी पर असर दिखना शुरू हो जाता है।

ध्यान रखें

काले तिल की तासीर गर्म होती है, इसलिए शुरुआत में इसकी कम मात्रा लें और शरीर की प्रतिक्रिया देखें। अगर शरीर में गर्मी बढ़ने लगे तो सेवन रोक दें या मात्रा कम करें। गर्भवती महिलाएं या जो लोग दवाइयां ले रहे हैं, वे इसका सेवन शुरू करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के नाम पर हजारों रुपये के सप्लीमेंट्स और डाइट प्लान्स अपनाने से पहले एक बार इस घरेलू नुस्खे को आजमाएं। ये छोटा सा काला बीज कृ काला तिल, आपकी सेहत और पेट को वापस फिट करने में आपकी मदद कर सकता है।

इन 4 लोगों को भूलकर भी नहीं पीना चाहिए ये शरबत, हो सकता है नुकसान

गर्मियों के मौसम में हम सभी को कुछ ठंडा और ताजगी से भरा हुआ पीने का मन करता है, जिससे शरीर को अंदर से ठंडक मिल सके। गर्मी में गला सूखने की समस्या आम हो जाती है और ऐसे में लोग कुछ ठंडा पीने के लिए तरसते हैं। इस मौसम में बेल का शरबत एक बेहतरीन विकल्प बनता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, बेल का शरबत कुछ लोगों के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आइए जानें कि किन 4 लोगों को बेल का शरबत नहीं पीना चाहिए।

डायबिटीज के मरीजों के लिए

बेल का शरबत आमतौर पर मीठा होता है, और इसके अधिक सेवन से शरीर में शुगर लेवल बढ़ सकता है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को बेल का शरबत पीने से बचना चाहिए। यदि किसी डायबिटीज के मरीज को इसे पीने का मन हो, तो उन्हें अपने डॉक्टर से सलाह लेकर ही इसका सेवन करना चाहिए। बेल के शरबत में प्राकृतिक शर्करा होती है, जो ब्लड शुगर को प्रभावित कर सकती है। इसलिए इस शरबत का सेवन सावधानी से किया जाना चाहिए।

कब्ज की समस्या वाले लोग

बेल का शरबत पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन जिन लोगों को पहले से ही पेट की समस्याएं जैसे अपच या कब्ज की समस्या हो, उन्हें बेल का शरबत पीने से परहेज करना चाहिए। बेल का शरबत पेट में अधिक गैस और सूजन पैदा कर सकता है, जिससे कब्ज की समस्या और बढ़ सकती है। ऐसे लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न पिएं, ताकि उनकी स्थिति बिगड़े नहीं।

थायराइड के मरीजों के लिए

जो लोग थायराइड की समस्या से जूझ रहे हैं या जो थायराइड के लिए दवाइयाँ ले रहे हैं, उन्हें भी बेल का शरबत सेवन करने से बचना चाहिए। बेल में कुछ तत्व होते हैं, जो थायराइड की दवाइयों के असर को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए थायराइड के मरीजों को बेल का शरबत पीने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, बेल के शरबत का अधिक सेवन हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकता है, जिससे थायराइड की समस्या और बढ़ सकती है।

सर्जरी के बाद के मरीजों के लिए

जिन लोगों की हाल ही में सर्जरी हुई हो या जिनकी सर्जरी होने वाली हो, उन्हें भी बेल का शरबत पीने से बचना चाहिए। बेल का शरबत शरीर में किसी प्रकार के संक्रमण या सूजन को बढ़ा सकता है, जिससे सर्जरी के बाद की रिकवरी प्रक्रिया पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। सर्जरी के बाद शरीर को आराम की आवश्यकता होती है और ऐसे में बेल का शरबत पीने से कोई जोखिम उठाना उचित नहीं है। इसलिए सर्जरी के मरीजों को इस पेय का सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। गर्मियों में बेल का शरबत सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका सेवन कुछ खास लोगों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए यदि आप इनमें से किसी भी श्रेणी में आते हैं, तो बेल के शरबत का सेवन करने से पहले डॉक्टर से सलाह अवश्य लें। इस शरबत का सही तरीके से और सही मात्रा में सेवन करने से ही आप इसके फायदे उठा सकते हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के विजेता पर होगी पैसों की बारिश, ICC ने इनामी राशि दोगुना की

दुबई। आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल 2025 की तारीखें जैसे जैसे नजदीक आ रही है, फैंस के मन में इस मैच को लेकर उत्सुकता और बढ़ती जा रही है। 11 जून से लॉर्ड्स के मैदान में खेले जाने वाले इस फाइनल की इनामी राशि की घोषणा हो चुकी है। आईसीसी ने विजेता टीम के लिए जो राशि तय की है, वह पिछले संस्कण से दोगुनी है। इस बार विजेता टीम को बंपर पैसे मिलेंगे। इस साल विजेता टीम को 3.6 मिलियन यूएस डॉलर यानी 30.81 करोड़ रुपये मिलेंगे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने जब 2023 में फाइनल जीता था तो उन्हें 1.6 मिलियन डॉलर यानी 13.69 करोड़ रुपये मिले थे।

फाइनल में हारने वाली टीम को इतने रुपये मिलेंगे

फाइनल में हारने वाली टीम यानी रनर अप को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (17.96 करोड़ रुपये) मिलेंगे, जो कि पिछले दो बार की विजेता राशि से भी ज्यादा है। वहीं, पिछले दो संस्करणों के उपविजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर यानी 6.84 करोड़ रुपये मिले थे। आईसीसी ने गुरुवार को अपने बयान में कहा, श्पुरस्कार राशि में वृद्धि टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने के आईसीसी के प्रयासों को दर्शाती है, क्योंकि यह नौ टीमों की प्रतियोगिता के पहले तीन चक्रों की गति को बनाए रखेगा।श

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका फाइनल में

इस डब्ल्यूटीसी चक्र में दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका और पाकिस्तान पर 2–0 की घरेलू सीरीज जीत के साथ 69.44 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 67.54 अंक प्रतिशत हासिल किए, जबकि भारत ने अधिकांश समय तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद 50.00 अंक प्रतिशत हासिल किए।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने क्या कहा?

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा, श्हमें विश्व टेस्ट चौंपियनशिप का बचाव करने का अवसर पाकर बहुत गर्व है। खासकर लॉर्ड्स में खेलना ऐतिहासिक होगा। यह पिछले दो वर्षों में हमारे सभी खिलाड़ियों की मेहनत है, जिसने फाइनल में पहुंचने में मदद की। यह हमारे लिए सम्मान की बात है।

द. अफ्रीकी कप्तान बावुमा ने क्या कहा?

दक्षिण अफ्रीकी कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा, श्हर कोई टेस्ट क्रिकेट के महत्व को समझता है और विश्व टेस्ट चौंपियनशिप खेल के इस महत्वपूर्ण प्रारूप को संदर्भ प्रदान करती है। उन्होंने कहा, श्लॉर्ड्स इस मेगा फिक्सचर के लिए एक उपयुक्त स्थान है और हम सभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।

संक्षिप्त

शेयर बाजार गिरा, सेंसेक्स में आई 230 अंक की गिरावट, निफ्टी पहुंचा 24600 के करीब

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार 15 मई को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में कमजोर रुझानों के बीच घरेलू शेयर बाजार का हाल भी ऐसा ही रहा है। बाजार के खुलने के साथ ही सेंसेक्स सुबह लगभग 9.15 बजे 88.70 अंक नीचे गिर गया है। इसके बाद से ही सेंसेक्स 81,239.95 के स्तर पर बना हुआ है। इसके बाद सेंसेक्स 15 मिनट के अंदर यानी साढ़े नौ बजे फिर से 230 अंक नीचे गिर गया है। निफ्टी 50 में भी 29.10 अंक नीचे गिरते हुए 24,637.80 के स्तर पर खुला है। शुरुआती सौदों के बाद बीएसई सेंसेक्स 247.22 अंक की गिरावट के साथ 81,082.80 अंक पर और निफ्टी 67.15 अंक फिसलकर 24,599.75 अंक पर कारोबार करने लगा।

ऐसा रहा इन कंपनियों का हाल

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक गिरावट में रहे। टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर में तेजी रही। वहीं एशियाई बाजार में गिरावट देखने को मिली है। अमेरिका–चीन के बीच ट्रेड डील होने के बाद बाजार को इस डील से सकारात्मक उम्मीद थी। हालांकि बाजार का रुख ऐसा नहीं रहा है। वहीं जापान के शेयर बाजार में 0.90 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। वहीं टॉपिक्स में 0.76 फीसदी की गिरावट आई है। अमेरिका में एसएंडपी 500 में 0.10 फीसदी की हल्की बढ़त देखने को मिली है। नैस्डैक में 0.72 फीसदी की बढ़त दिखी है।

भारत में ऑनलाइन भी नहीं बिकेगा पाकिस्तान ने बना सामान, अमेजॉन और फ्लिपकार्ट को भेजा गया नोटिस

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर को मंजूरी मिल गई है। सरकार के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। पाकिस्तान को हर तरह से बॉयकॉट करने की मुहिम भी तेजी से जारी है। इसे देखते हुए सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटक्शन अथॉरिटी की ओर से ई कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी किया है। अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसी कई ई–कॉमर्स कंपनियों को नोटिस मिला है, जिसमें निर्देश दिया गया है कि इनके प्लेटफॉर्म पर पाकिस्तान से जुड़े झंडे और सामान नजर ना आएं। इन्हें हटाया जाए। सीमा पर पाकिस्तान द्वारा किए गए हमलों पर करारा प्रहार किया गया है। इन सभी के बाद अब पाकिस्तान को आर्थिक चोट लग रही है। पाकिस्तान की मुसीबतें लगातार बढ़ती जा रही है। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटक्शन अथॉरिटी की मानें तो ई कॉमर्स साइट्स पर पाकिस्तान के झंडे और उससे संबंधित सामग्री बिक रही है तो यो नियमों का उल्लंघन है। सभी कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि तत्काल रूप से इन्हें अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। बता दें कि इससे पहले कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने भी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को इस संबंध में पत्र लिखा था। उनसे इस संबंध में एक्शन लेने की मांग की ती। कैट) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और प्रहलाद जोशी से भारत में संचालित ई–कॉमर्स प्लेटफार्मों पर पाकिस्तानी झंडों और अन्य वस्तुओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इस पत्र में कैट ने अपील की कि ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर पाकिस्तानी झंडे और सामान अब भी बिक रहे है। एक तरफ भारत ने अपने विरोधी के खिलाफ श्ऑपरेशन सिंदूरश शुरू किया है। सीएआईटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने मंत्री केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में कहा, ष्मैं एक ऐसे मामले पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करता हूं, जो हमारी राष्ट्रीय भावना और संप्रभुता के मूल पर प्रहार करता है। यह पता चला है कि पाकिस्तानी झंडे, लोगो वाले मग और टी–शर्ट अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे प्रमुख ई–कॉमर्स प्लेटफार्मों पर खुलेआम बेचे जा रहे हैं।ष

दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट का बड़ा फैसला, 6000 कर्मचारियों को दिखाएगी बाहर का रास्ता

टेक्नोलॉजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी में शुमार माइक्रोसॉफ्ट अब संस्थान में से लगभग छह हजार कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाने वाली है। कंपनी के छह हजार कर्मचारियों के ऊपर कैंची चलाई जा सकती है। कंपनी के कुल स्टाफ में से लगभग तीन फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। इस फैसले में सभी स्तर के कर्मचारी शिरकत करेंगे। कंपनी पर इसका काफी प्रभाव देखने को मिलेगा। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट ने वर्ष 2023 में बड़ी छंटनी को अंजाम दिया था। इस दौरान कुल 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखाया गया था। इसके बाद अब कंपनी छह हजार कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने के लिए तैयार है। कंपनी के इतिहास में ये दूसरी सबसे बड़ी छंटनी होने वाली है। जानकारी के मुताबिक जो कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित होंगे उन्हें कंपनी दो विकल्प दे रही है। इसमें पहला विकल्प है कि कर्मचारियों की सेवाएं खत्म होने के बाद उन्हें 60 दिन का वेतन भुगतान किया जाएगा। प्रभावी स्टाफ को अवॉर्ड और बोनस का भुगतान भी किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने सीएनबीसी को दिए एक बयान में बताया कि डायनामिक मार्केट में कंपनी की सफलता के लिए संगठनात्मक बदलाव लगातार किए जाएंगे। कर्मचारियों में से कई लोगों को परफॉर्मेंस के आधार पर बाहर निकाला जाएगा। स्टाफ को सुधार के लिए कुछ समय भी दिया जा सकता है। इसके अलावा कर्मचारी 16 सप्ताह के सेवेरेंस पे का विकल्प चुन सकते है। वहीं ग्लोबल वॉलंटरी सेपरेशन एग्रीमेंट का विकल्प भी उन्हें मिल सकता है। बीते वर्ष 2024 में जून के महीने में माइक्रोसॉफ्ट में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या 228000 थी। अब कंपनी ने ग्लोबल स्तर पर अपने कर्मचारियों की संख्या को कम करने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि इसके पीछे एआई में निवेश मुख्य कारण है।

वह खराब प्रदर्शन के बाद मैदान पर नहीं लौटना चाह रहे होंगे

कोहली के संन्यास पर बोले नासिर हुसैन

लंदन। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। इस दिग्गज बल्लेबाज का हाल फिलहाल में टेस्ट में फॉर्म कुछ नहीं रहा था और ऐसे में उन्होंने संन्यास का ही फैसला बेहतर समझा। उनके संन्यास पर पूरी दुनिया से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इसी कड़ी में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली का अपार योगदान आंकड़ों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि किसी भी सामान्य चीज से संतुष्ट न होने के उनके स्वभाव ने ही शायद उन्हें संन्यास लेने के फैसले के लिये प्रेरित किया।

नासिर हुसैन ने विराट कोहली को लेकर क्या कहा?

36 वर्ष के कोहली टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े प्रचारक ही नहीं थे बल्कि भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान भी हैं। हुसैन ने स्काई स्पोटर्स क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, श्वह चौंपियन क्रिकेटर हैं। वह जीत का लक्ष्य लेकर ही खेलते हैं और जीत के लिए बेचौन रहते हैं। कोहली के लिए सब कुछ जीतने के बारे में ही है। इसलिए तो लक्ष्य का पीछा करने में वह माहिर हैं। अगर वह सौ फीसदी नहीं दे सकते हैं तो मैदान पर नहीं उतरते हैं। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने ही उतरते हैं।

कोहली हमेशा कुछ खास करना चाहते हैं

हुसैन ने कहा, श्हो सकता है कि उन्होंने संन्यास का फैसला भी इसलिए ही लिया हो। वह आम क्रिकेटर नहीं बनना चाहते। वह कुछ खास करना चाहते हैं। उन्होंने भारत को वह ताकत बनाया जो वह आज है। मैं पिछले 14 साल से कोहली का बड़ा

प्रशंसक रहा हूं। उनके आंकड़े खुद उसके बारे में कहते हैं, लेकिन वह आंकड़ों से बहुत आगे कुछ हैं। उनकी शख्सियत, स्वैग और जुनून तारीफ के काबिल है। हम भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को जानते हैं और क्रिकेट उनके लिए बहुत मायने रखता है।

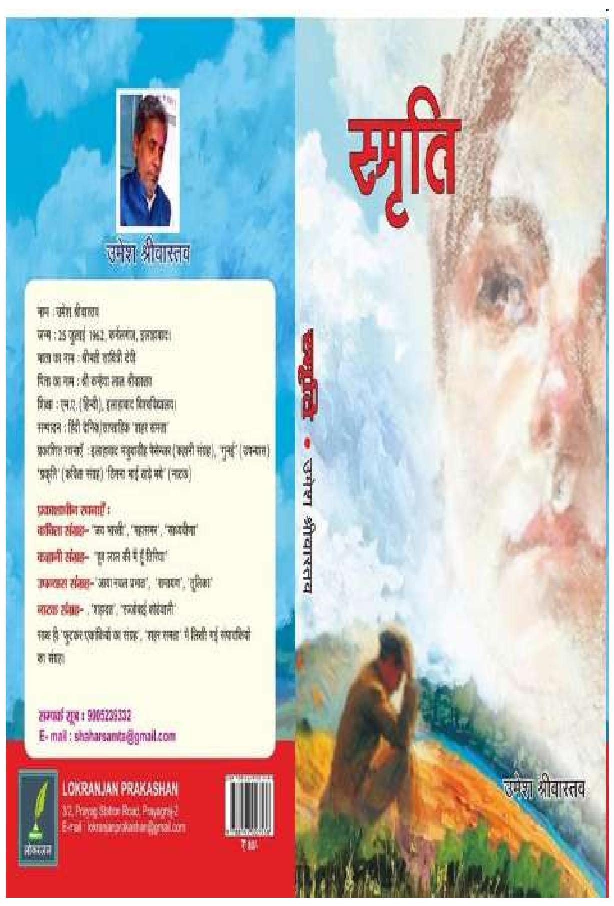

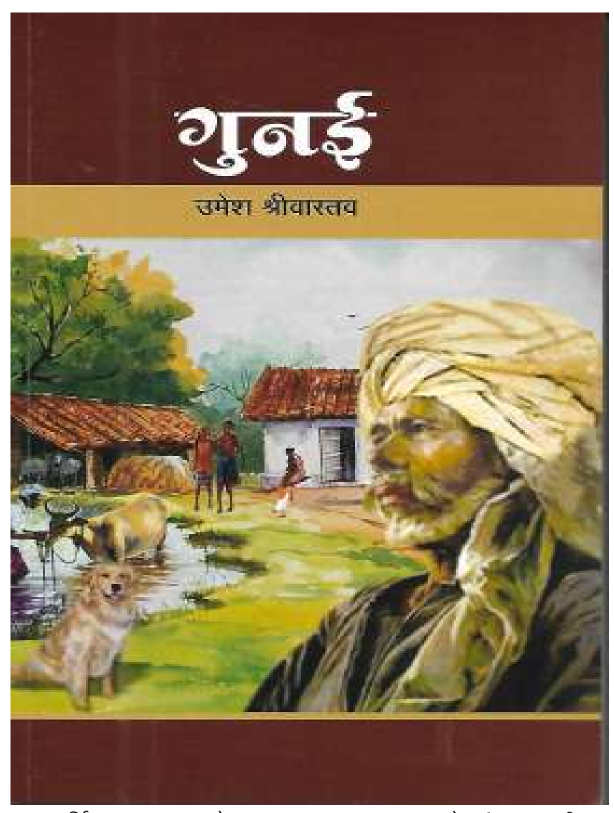

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

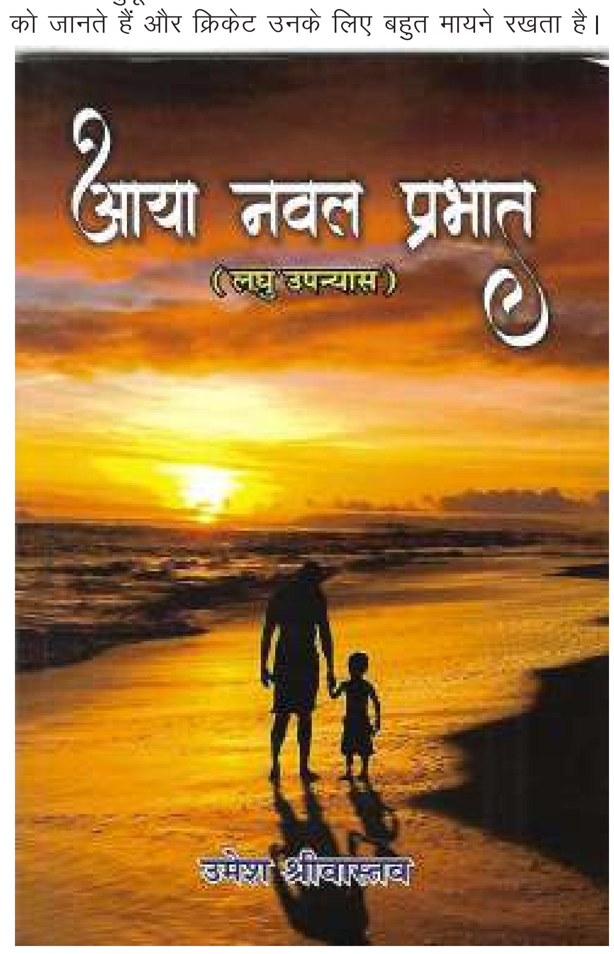

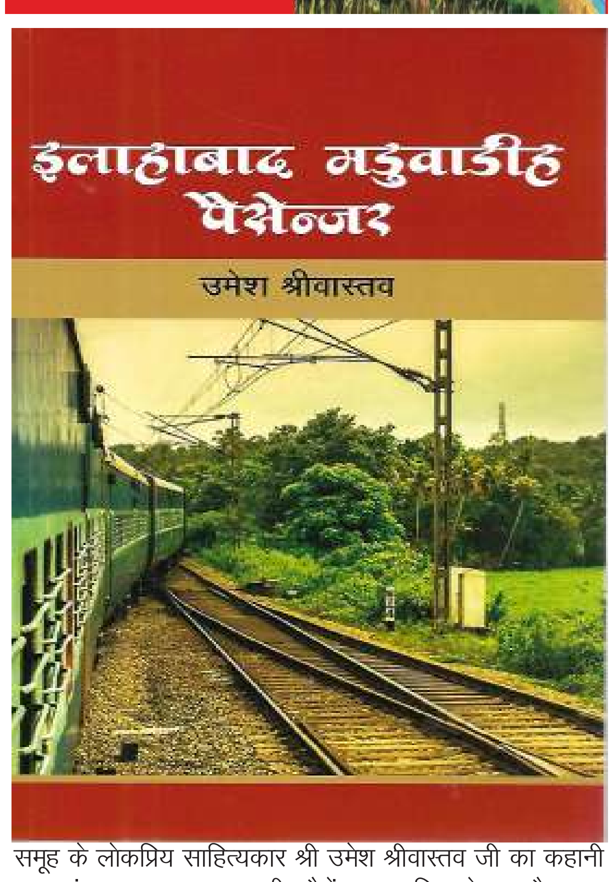

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

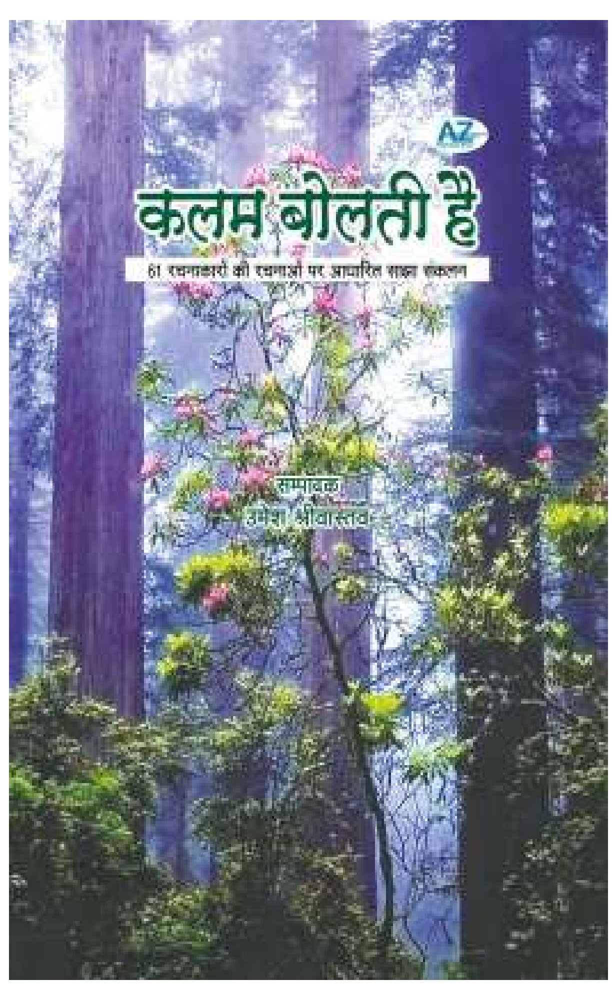

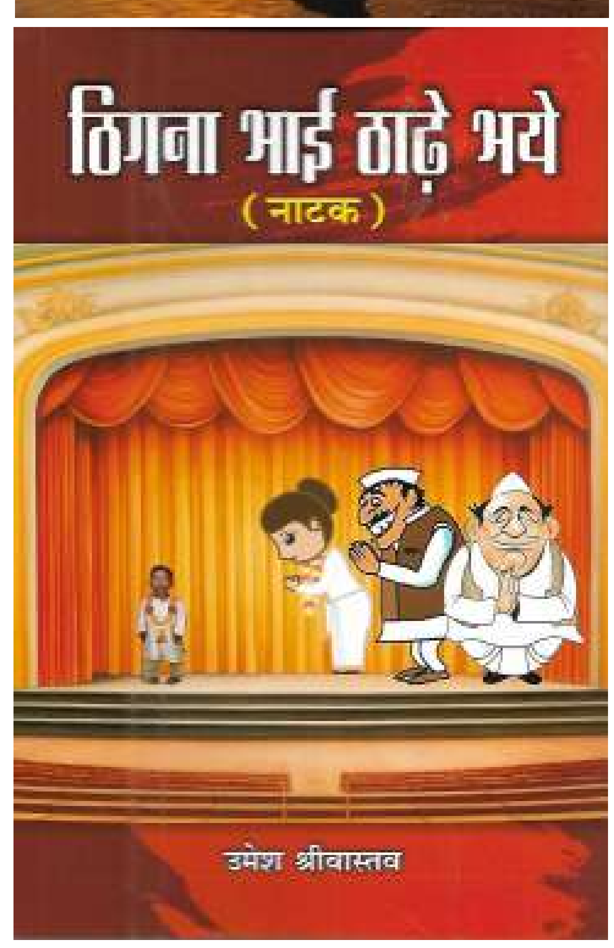

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान में सेना समर्थक रैली पर हथगोले से हमले में एक व्यक्ति की मौत, 10 घायल

दक्षिण–पश्चिमी पाकिस्तान में बुधवार को सेना समर्थक रैली में भाग लेने वालों पर मोटरसाइकिल सवार एक संदिग्ध आतंकवादी ने हथगोला फेंका, जिससे कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोहम्मद मलघानी ने बताया कि यह हमला बलूचिस्तान

प्रांत की राजधानी क्वेटा में हुआ। उन्होंने बताया कि लगभग 150 लोग कारों और मोटरसाइकिलों से शहर के एक हॉकी मैदान की ओर जा रहे थे, जहां भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना की जवाबी कार्रवाई के पक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उसी दौरन एक व्यक्ति ने उन पर हथगोला फेंका। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सरकार द्वारा आयोजित किया गया था। सरकारी अस्पताल के प्रवक्ता वसीम बेग ने बताया कि घायलों में से कम से कम दो की हालत गंभीर है। किसी भी समूह ने तत्काल इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन बलूच लिबरेशन आर्मी पर इसका संदेह है। यह एक अलगाववादी समूह है और जो प्रांत में वर्षों से विद्रोह चला रहा है।

मेक्सिको : 'लाइवस्ट्रीम' के दौरान इन्फ्लुएंसर की गोली मारकर हत्या

मेक्सिको के जलिस्को राज्य में सोशल मीडिया मंच 'टिकटॉक' पर 'लाइवस्ट्रीम' करते समय सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। राज्य के प्राधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मॉडल और इन्फ्लुएंसर वेलेरिया मार्केज (23) मंगलवार को जैपोपन में एक ब्यूटी सैलून में थी और 'लाइवस्ट्रीम' के दौरान किसी से बात रही थी तभी उसे एक गोली सीने में और दूसरी गोली सिर पर मारी गई। गोली लगते ही मार्केज जमीन पर गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के कुछ ही घंटों बाद 'मेक्सिकन पीआरआई' पार्टी के पूर्व सांसद लुइस आर्मंडो कोर्डोवा डिआज़ की भी उसी क्षेत्र के एक कैफे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। जलिस्को में अभियोजक घटना की जांच कर रहे हैं। राज्य के प्राधिकारियों ने कहा कि वे मार्केज की हत्या मामले की जांच लैंगिक हिंसा से जोड़ कर करे हैं।

संघीय न्यायाधीश के फैसले के बाद भारतीय छात्र को आव्रजन हिरासत से रिहा किया गया

अमेरिका में विदेशी कॉलेज छात्रों पर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किए गए एक भारतीय छात्र को बुधवार को संघीय न्यायाधीश के फैसले के बाद आव्रजन हिरासत से रिहा कर दिया गया। जॉर्जटाउन में पढ़ने वाले बदर खान सूरी को टेक्सास में हिरासत में लिया गया था। अब

बदर खान सूरी अपने परिवार के पास वर्जीनिया जाएंगे। ट्रंप प्रशासन के कार्यभार संभालने के बाद से ही आव्रजन अधिकारियों ने देश भर के कई कॉलेज छात्रों को हिरासत में लिया है। इनमें से कई ने इजराइल–हमास युद्ध के विरोध में परिसर में विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। एक संघीय न्यायाधीश ने बुधवार को आदेश दिया कि जॉर्जटाउन के भारतीय छात्र को आव्रजन हिरासत से रिहा किया जाए। छात्र को ट्रंप प्रशासन द्वारा कॉलेज के विदेशी छात्रों पर कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिया गया था।

अमेरिका में पर्वतारोहण हादसे में भारतीय मूल के विष्णु समेत तीन की मौत, परिवार और दोस्तों ने दी श्रद्धांजलि

वाशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य के नॉर्थ कैस्केड्स रेंज में पहाड़ चढ़ने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में भारतीय मूल के टेक प्रोफेशनल विष्णु इरिगिरेड्डी समेत तीन लोगों की मौत हो गई। बता दें कि अमेरिका के सिएटल में रहने वाले 48 वर्षीय विष्णु अपने तीन दोस्त टिम गुयेन, ओलेक्जेंडर मार्टिनेंको और एंटन सेलिएख के साथ नॉर्थ अर्ली विंटर्स स्पायर पर चढ़ाई कर रहे थे। चढ़ाई के दौरान मौसम खराब होते देख समूह ने वापस लौटने का फैसला किया, लेकिन नीचे उतरते समय एंकर पॉइंट फेल हो गया, जिससे चारों करीब 200 फीट नीचे गिर पड़े।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस हादसे में सिर्फ एंटन सेलिएख जीवित बच सके, जो गंभीर रूप से घायल अवस्था में 64 किलोमीटर दूर जाकर मदद लेने पहुंचे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

हम नुकसान की नहीं सोचते...भारत के एक्शन पर तुर्की के राष्ट्रपति का आ गया बयान, शहबाज को बताया अनमोल भाई

ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देकर तुर्की ने खुद के पैर पर कुल्हाड़ी नहीं बल्कि कुल्हाड़ी पर ही पैर मार दिया है। भारत से पंगा लेना तुर्की को भारी पड़ सकता है। इसका असर भी दिखने लगा है। भारत में तुर्की के बायकाट की मांग उठने लगी है। मध्य प्रदेश के विदिशा में लोग सड़कों पर उतरे और तुर्की के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। जगह जगह तुर्की के सामानों के बहिष्कार के पोस्टर लगाए गए। तुर्की के खिलाफ नारेबाजी की गई और लोगों ने पुतला फूंक कर अपनी नागाजगजी जताई। तुर्की को लेकर लोगों में काफ नाराजगी है। तुर्की में बने ड्रोन जिन्होंने भारत को निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। तुर्की की तरफ से पाकिस्तान के समर्थन में बयानबाजी भी की गई। लोगों में इस बात को लेकर

भी नाराजगी है जब तुर्की मुसीबत में था तो पाकिस्तान नहीं बल्कि हिंदुस्तान मदद का हाथ लेकर सबसे पहले पहुंचा था। अहसानफरामोश तुर्की ने आतंक परस्त पाकिस्तन का साथ दिया। भारत के साथ संघर्ष में पाकिस्तान का समर्थन करने के बाद सैकड़ों भारतीय यात्री तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा की योजना रद्द कर रहे हैं। भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी मेकमाईट्रिप ने पिछले सप्ताह रद्दीकरण में 250: की वृद्धि देखी है, जबकि अजरबैजान और तुर्किये के लिए बुकिंग में 60: की गिरावट आई है, कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार। कंपनी ने इन दोनों देशों में पर्यटन को हतोत्साहित करने के लिए सभी प्रचार बंद कर दिए हैं। ये रद्दीकरण तब हुआ जब ट्रैवल पोर्टल ने 9 मई को एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की, जिसमें इन दोनों देशों की यात्रा को सीमित करने की सख्त सलाह दी गई थी, जब तक कि बहुत ज़रूरी न हो। पिट्टी ने कहा कि प्लेटफ़ॉर्म ने व्यापक असुविधा से बचने के लिए फ्लाइट बुकिंग को रद्द या बहिष्कार नहीं करने का फैसला किया है, क्योंकि कई यात्री तुर्किये का इस्तेमाल सिर्फ़ ठहरने के लिए करते हैं। तुर्की को हजारों करोड़ रुपए करोबार के रूर में टूरिज्म के रूप में मिलते थे। वो अब नहीं मिलेंगे। ये हिंदुस्तानियों ने तय कर लिया जाएगा। लेकिन तुर्की के राष्ट्रपति एर्गोगान फिर भी बेफ्रिक हैं। उन्होंने पाकिस्तान के समर्थन जारी रखने की बात कही है। एर्दोगान वो शख्स हैं जिन्होंने तुर्की की इकोनॉमी का बंटाधार कर दिया। जाहिर सी बात है कि ऐसे सनकी शख्स का बयान आना लाजिमी था। उन्होंने कहा है कि हम पाकिस्तन का समर्थन करते रहेंगे। हम नुकसान के बारे में नहीं सोचते हैं। एर्दोगन ने फिर से अपने भाई पाकिस्तान को अटूट समर्थन दिया और पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अपना अनमोल भाई बताया। इससे पहले शहबाज शरीफ ने अपने एक्स अकाउंट पर तुर्की के नेताओं को पाकिस्तान के प्रति उनके "मजबूत समर्थन और अटूट एकजुटता" तथा दोनों देशों के बीच "भाईचारे के संबंधों" को बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया था। शहबाज ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं अपने प्रिय भाई राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए मजबूत समर्थन और अटूट एकजुटता से बहुत प्रभावित हुआ। पाकिस्तान को तुर्की के साथ अपने दीर्घकालिक, समय–परीक्षणित और स्थायी भाईचारे के संबंधों पर गर्व है, जो प्रत्येक नई चुनौती के साथ और मजबूत होते गए हैं।

पाकिस्तान के दोस्त तुर्किये को अमेरिका देगा 53 एयर-टू-एयर मिसाइल,225 मिलियन डॉलर में डील

वाशिंगटन। आतंक के पनाहगाह पाकिस्तान के समर्थक तुर्किये को अब अमेरिका हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल देगा। तुर्किये और अमेरिका के बीच मिसाइल बेचने का समझौता भी हो गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इस डील के बारे में जानकारी दी है। इस बयान में कहा गया है कि यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने तुर्की गणराज्य को ।प्ड–120ब्–8 उन्नत श्रेणी की मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी दी है। इस सौदे की अनुमानित लागत 225 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, इसके सौदे में 53 ।प्ड–120ब्–8 उन्नत श्रेणी की मध्यम दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और 6 गाइडेंस सेक्शन शामिल हैं। अपने बयान में अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि यह प्रस्तावित बिक्री नाटो में अपसी सहयोग का हिस्सा है। यह उसके सहयोगी तुर्किये की सुरक्षा में सुधार करके और यूएस विदेश नीति के लक्ष्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा का समर्थन करेगी। इसमें यह भी कहा गया है कि यह समझौता तुर्किये को अपनी रक्षा और वहां तैनात अमेरिकी कर्मियों की रक्षा के लिए क्षमता प्रदान करेगा। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह भी कहा है कि इस मिसाइल समझौते से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा।

भारत से संघर्ष में तुर्किये ने किया पाकिस्तान का समर्थन

गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में जब भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। तो तुर्किये ने ही पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई के लिए ड्रोन्स मुहैया कराए थे। इतना ही नहीं तुर्किये ने पाकिस्तान को न सिर्फ ड्रोन्स दिए, बल्कि उन ड्रोन्स के संचालक भी उपलब्ध कराए। इस तरह कह सकते हैं कि तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत पर हमले की नाकाम कोशिश की। विश्लेषकों की मानें तो तुर्किये इस्लामिक सहयोग संगठन या ओआईसी में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। 57 सदस्यीय ब्लॉक में सऊदी अरब और ईरान का वर्चस्व है और तुर्किये एक इस्लामी राष्ट्र के समर्थन के नाम पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाना चाहता है। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के शासनकाल में तुर्किये में इस्लामी प्रभाव बढ़ा है और एर्दोगन पाकिस्तान के समर्थन में शुरू से ही रहे हैं। कश्मीर मुद्दे पर भी एर्दोआन ने पाकिस्तान का पक्ष लिया है।

तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ भारी नाराजगी

भारत में तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ भारी नाराजगी देखी गई है। 7 मई के बाद से सोशल मीडिया पर लगातार बॉयकॉट तुर्किये और बॉयकॉट अजरबैजान जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं। सोशल मीडिया में चलने वाले इस अभियान में आम लोगों के साथ–साथ अब पर्यटन सेवाओं से जुड़ी भारतीय कंपनियां भी शामिल हो गई हैं।

भारतीयों के बॉयकॉट के डर से तुर्किये को जारी करनी पड़ी अपील

भारतीय पर्यटकों के बॉयकॉट के डर से बीच तुर्किये पर्यटन विभाग को अपील जारी करनी पड़ी है। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इससे जुड़ा नोटिस अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर साझा भी किया। तुर्किये ने कहा है, ष्स्थानीय आबादी को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष की जानकारी नहीं है और यहां के पर्यटन के माहौल पर इसका कोई असर नहीं है। भारतीय पर्यटकों का यहां स्वागत और उन्हें तुर्किये के होटलों, रेस्तरां, दुकानों और पर्यटन केंद्रों में पूरा सम्मान दिया जा रहा है। इसलिए हम पुष्टि करते हैं कि मौजूदा स्थिति के बीच तुर्किये का दौरा रद्द करने या टालने की कोई वजह नहीं है। सभी यात्राएं योजनाओं के आधार पर जारी रखें। भारतीय मेहमानों के लिए तुर्किये में कोई प्रतिबंध या सुरक्षा का मुद्दा नहीं है।

ट्रंप के पाकिस्तान प्रेम का कारण सामने आया, यूएस की जिस कंपनी के साथ पाक ने करार किया उसमें ट्रंप परिवार की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी है

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पाकिस्तान के प्रति प्रेम क्यों उमड़ रहा है यह बात अब जगजाहिर हो गयी है। विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भारत के प्रधानमंत्री से ट्रंप रोजाना उस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की तुलना कर रहे हैं जोकि बिना कर्ज के एक दिन भी नहीं चल सकता। हम आपको बता दें कि यह खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान ने वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (ॅस्थ)

नामक जिस क्रिप्टो कंपनी के साथ करार किया है उसमें डोनाल्ड ट्रंप के परिवार की 60 फीसदी हिस्सेदारी है। यह समझौता ॅस्थ और हाल ही में स्थापित पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के बीच हुआ था। पाकिस्तान ने पिछले महीने की शुरुआत में ही दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिनेंस के संस्थापक चांगपेंग झाओ (ब्) को अपना सलाहकार नियुक्त किया था। इस काउंसिल का उद्देश्य है इस्लामाबाद को एशिया की क्रिप्टो राजधानी बनाना। यहां एक और रोचक बात यह है कि चांगपेंग झाओ का जन्म चीन में हुआ था और वह कनाडा के उद्योगपति हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान की क्रिप्टो काउंसिल मुश्किल से एक महीने पुरानी थी, फिर भी ॅस्थ ने अपने बड़े प्रतिनिधियों को इस्लामाबाद भेजा, जिनमें ज़ैकरी विटकॉफ़ भी शामिल थे, जो ट्रंप के गोल्फ साथी स्टीव विटकॉफ़ के बेटे हैं। जब ज़ैकरी विटकॉफ पाकिस्तान आये तो प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया था। इसके कुछ ही दिनों बाद जनरल मुनीर ने भड़काऊ भाषण दिया और उसके बाद पहलगाम में पर्यटकों की ष्धार्मिक पहचान के आधार पर सामूहिक हत्याष की गयी। हम आपको बता दें कि ॅस्थ के हिस्सेदारों में ट्रंप के दो बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर शामिल हैं, जो अपने बहनोई जेरेड कुशनर के साथ मिलकर दुनियाभर में लाभकारी व्यापारिक सौदों की तलाश में हैं और व्हाइट हाउस से अपने संबंधों का लाभ उठाने के आरोपों का सामना भी कर चुके हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप के दोस्त स्टीव विटकॉफ़ भी ट्रंप की तरह न्यूयॉर्क केंद्रित रियल एस्टेट अरबपति हैं और वॉशिंगटन डीसी में ष्सबसे प्रभावशाली व्यक्तिष माने जाते हैं। फ्लोरिडा में ट्रंप के गोल्फ रिज़ॉर्ट मार–ए–लागो में नियमित रूप से जाने वाले विटकॉफ़ ने विश्व का ध्यान अपनी ओर तब आकर्षित किया जब उन्होंने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान इज़रायल, यूएई और बहरीन के बीच अब्राहम समझौते करवाए थे। अब ट्रंप ने उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते की जिम्मेदारी सौंपी है। बहरहाल, ट्रंप भारत–पाकिस्तान संघर्ष पर खुद को मध्यस्थ के रूप में जिस तरह लगातार प्रस्तुत कर रहे हैं उससे कई लोग यह सोचने पर मजबूर हो गये हैं कि क्या पाकिस्तान की ॅस्थ के साथ क्रिप्टोकरेंसी में साझेदारी पहले से ही परिणाम देने लगी है?

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

रंग बदलने लगा अमेरिका, रूस का नाम लेकर भारत पर लगा दिया ये बड़ा आरोप

जब भारत आत्मनिर्भर बनता है तो दुनिया के कुछ ताकतवर देश बेचौन हो जाते हैं। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल भारत की सबसे बड़ी और सबसे भरोसेमंद रक्षा कंपनी आज एक अंतरराष्ट्रीय विवाद के केंद्र में है। आरोप ये है कि एचएएल ने ब्रिटेन की एक रक्षा कंपनी से मिली तकनीक को रूस को ट्रंसफर कर दिया। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये आरोप हकीकत हैं या फिर अमेरिका की घबराहट का एक नया रूप है।

दरअसल, 13 मई को अमेरिका के एक प्रतिठित अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट छापी है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने मार्च में बताया कि, 2023 और 2024 के शिपिंग रिकॉर्ड के अनुसार, ब्रिटिश एयरोस्पेस निर्माता एचआर स्मिथ ग्रुप ने भारत को ऐसे उपकरण निर्यात किए जिन्हें रूसी हथियार प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण माना गया था। इसमें ट्रांसमीटर, कॉकपिट उपकरण और एंटेना शामिल थे। ये सभी ड्यूल यूज टेक्नोलॉजी हैं। यानी इनका इस्तेमाल सिविल एविएशन और मिलिट्री दोनों जगह किया जा सकता है। दावा ये है कि एचएएल ने ये तकनीक रूस को ट्रांसफर कर दी। यहीं से विवाद शुरू होता है। एचएएल ने इन आरोपों को पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण करार दिया। कंपनी का कहना है कि ब्रिटेन से मंगाए गए उपकरण केवल भारत के घरेलू डिफेंस के उपयोग के लिए थे। कोई भी टेक्नोलाजी न रूस और न ही किसी अन्य देश को ट्रांसफर की गई है। एचएएल ने ये भी कहा कि सभी इंटरनेशनल डिफेंस ट्रेड रूल और एक्सपोर्ट कंट्रोल गाइडलाइंस का पालन करती है। न्यूयॉर्क टाइम्स (छल्ज्) की एक रिपोर्ट के बाद मंत्रालय एचएएल के बचाव में आया। सरकारी सूत्रों ने कहा कि रिपोर्ट तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है, और इसमें राजनीतिक आख्यान के अनुरूप मुद्दों को गढ़ने और तथ्यों को विकृत करने की कोशिश की गई है। एक अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट में उल्लिखित भारतीय इकाई ने रणनीतिक व्यापार नियंत्रण और अंतिम उपयोगकर्ता प्रतिबद्धताओं पर अपने सभी अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का ईमानदारी से पालन किया है। रणनीतिक व्यापार पर भारत का मजबूत कानूनी और नियामक ढांचा इसकी कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उपक्रमों का मार्गदर्शन करना जारी रखता है। भारतीय कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, रूसी हथियार एजेंसी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट की सबसे बड़ी व्यापारिक साझेदार है। एच.आर. स्मिथ के वकील ने हाल ही में टाइम्स को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स का एक बयान उपलब्ध कराया, जिसमें कहा गया था कि ब्रिटिश उपकरण रूस को नहीं बेचे गए थे। लेकिन बात इतनी भर नहीं है। बड़ा सवाल ये है कि अमेरिका और पश्चिमी मीडिया को इतनी चिंता क्यों हो रही है। भारत और रूस का रक्षा सहयोग दशकों पुराना है। एचएएल ने एसयू–30 एमकेआई जैसा फाइटर जेट भारत में बनाए हैं। ये रूस की टेक्नोलॉजी पर आधारित है। एचएएल ब्रह्मोस मिसाइल प्रोग्राम का भी हिस्सा है जो भारत रूस का ज्वाइंट वेंचर है। रूस की तकनीक पर भारत अब स्वदेशी बदलाव कर चुका है। लेकिन दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट बताते हैं कि भारत और रूस मिलकर एस 500 का ज्वाइंट प्रोडक्शन भी कर सकते हैं। रूस के साथ मिलकर एस 500 के ज्वाइंट प्रोडक्शन का ऑफर मॉस्को की तरफ से दिया गया है। अमेरिक चाहता है कि भारत पूरी तरह पश्चिमी ब्लॉक में आ जाए। लेकिन भारत ने न तो रूस से दूरी बनाई न अमेरिकी दबाव में झुका है। यही बात कुछ ताकतवर देशों को खल रही है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर टेक्नोलॉजिकल प्रतिबंध लगाए हैं। कोई भी टेक्नोलाजी रूस तक न पहुंचे ये उनकी प्रमुख नीति है। इसके लिए वो तीसरे देशों की आपूर्ति चेन को भ निगरानी में रखते हैं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इस्राइल ने दक्षिण